सान्ध्य हिन्दी दैनिक
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 92 | जौनपुर, शुक्रवार, 22 नवम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

गुयाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस से पीएम मोदी सम्मनित

नई दिल्ली, एजेसी। गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया। पीएम नरेंद्र मोदी गुयाना के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होने वाले चौथे विदेशी नेता हैं। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत के लिए एक और उपलब्धि! गुयाना के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद इरफान अली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ग्लोबल समुदाय के लिए उनकी असाधारण सेवा, स्टेट्समैनशिप और

भारत–गुयाना संबंधों को गहरा करने में योगदान के लिए देश के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया। इस मौके पर राष्ट्रपति इरफान कहा कि प्रौद्योगिकी, इनोवेशन और डिजिटलीकरण का उपयोग देशों के बीच की दूरी को बढ़ाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। इन प्रगतियों का उपयोग दूरी और गरीबी को कम करने तथा विश्व को एक साथ लाने के लिए किया जाना चाहिए। पीएम नरेंद्र मोदी ने द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस सम्मान के लिए गुयाना के राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया। मुझे गुयाना का सर्वोच्च सम्मान, द ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस प्रदान करने के लिए राष्ट्रपति डॉ. इरफान अली को तहे दिल से धन्यवाद। यह सम्मान केवल मेरा नहीं बल्कि भारत के 140 करोड़ लोगों का सम्मान है। पीएम मोदी ने कहा, राष्ट्रपति इरफान अली ने इन संबंधों को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर ले जाने में बहुत योगदान दिया।

राजनाथ सिंह अमेरिकी समकक्ष से मिले

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके अमेरिकी समकक्ष लॉयड जे ऑस्टिन ने लाओस के वियनतियाने में मुलाकात की और परिचालन समन्वय, सूचना–साझाकरण और औद्योगिक सहयोग और नवाचार में वृद्धि पर जोर देते हुए भारत–अमेरिका रक्षा साझेदारी में प्रभावशाली प्रगति की सराहना की। रक्षा मंत्रालय ने न्यू में जारी एक बयान में कहा कि दोनों पक्षों ने अमेरिका–भारत रक्षा औद्योगिक सहयोग रोडमैप के तहत की गई उल्लेखनीय प्रगति को मान्यता दी, जिसमें जेट इंजन, युद्ध सामग्री और ग्राउंड मोबिलिटी सिस्टम के लिए प्राथमिकता वाले सह–उत्पादन व्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए चल रहा सहयोग शामिल है। सिंह और ऑस्टिन ने 11वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम)–प्लस से इतर बातचीत की। पिछले साल अपनाया गया रोडमैप, हवाई युद्ध और भूमि गतिशीलता प्रणाली, खुफिया, निगरानी और टोही, युद्ध सामग्री और पानी के नीचे के क्षेत्र सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तेजी से प्रौद्योगिकी सहयोग और सह–उत्पादन करना चाहता है। दोनों नेताओं ने आखिरी बार अगस्त में अमेरिका में मुलाकात की थी और द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने के लिए व्यापक बातचीत की थी। इस बातचीत में रक्षा सहयोग, औद्योगिक सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा, भारत–प्रशांत क्षेत्र और अन्य मुद्दों पर प्रकाश डाला गया था। भारत और अमेरिका ने तब रक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए अप्रत्याशित आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों को हल करने के लिए रक्षा वस्तुओं और सेवाओं की पारस्परिक आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आपूर्ति व्यवस्था की सुरक्षा (एसओएसए) आपसी हित के मामलों पर सहयोग, समझ, अंतरसंचालनीयता और जानकारी साझा करने को बढ़ाने के लिए संपर्क अधिकारियों की नियुक्ति से संबंधित दो प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे।

संक्षिप्त खबरें

दिल्लीवासियों को हुई राहत, वायु गुणत्ता में हुआ सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लोगों के लिए खुली हवा में सांस लेना दूभर हो गया है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता का स्तर कई दिनों से चिंताजनक स्थिति में बना हुआ है। दिल्ली की वायु गुणवत्ता गुरुवार को "बहुत खराब" श्रेणी में पहुंची है, जो हल्का सुधार है। बीते पांच दिनों से लगातार चल रहा "गंभीर" प्रदूषण स्तर से स्थिति बेहतर हुई है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान में गिरावट जारी रही है। दिल्ली में तापमान इस मौसम के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। वहीं कोहरे की तीव्रता में कमी और हवा की गति में तेजी आने के कारण भी वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार को सुबह 9 बजे औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई 376 जो कि बहुत खराब स्थिति है पर दर्ज किया गया। वहीं बुधवार की शाम को वायु प्रदूषण का स्तर शाम 4 बजे 419 गंभीर से बेहतर है। सुबह 9 बजे 38 वायु गुणवत्ता स्टेशनों में से 11 गंभीर श्रेणी में थे। बाकी सभी स्टेशन बहुत खराब श्रेणी में थे। दिल्ली के वजीरपुर (436) में सबसे अधिक एक्यूआई दर्ज किया गया, उसके बाद जहांगीरपुरी का स्थान रहा। एक्यूआई 494 पर पहुंच गया, जो संयुक्त रूप से अब तक का दूसरा सबसे उच्च स्तर है। 16 नवंबर से यह षांभीरष बना हुआ था। 15 नवंबर को औसत एक्यूआई 396 था। न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 10.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। इससे एक दिन पहले यह 11.2 डिग्री सेल्सियस और मंगलवार को 12.3 डिग्री सेल्सियस था।

हिमाचल में सुक्खू सरकार भ्रष्टाचार, घोटालों का प्रतीक – नड्डा

हिमाचल प्रदेश, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जे. पी. नड्डा ने बुधवार को कांग्रेस नीत हिमाचल प्रदेश सरकार को ''भ्रष्टाचार, घोटाले और कुप्रबंधन'' का प्रतीक करार दिया तथा कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है। कांग्रेस सरकार अपने घोटाले के कारण निम्नतम स्तर पर पहुंच गई है तथा स्थिति इतनी विकट हो गई है कि सरकारी संपत्तियों की नीलामी की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम की विरासत संपत्तियों की सुरक्षा करने में पूरी तरह विफल रही है। नड्डा ने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है और लूट, अराजकता तथा घोटाले हो रहे हैं।'देवभूमि' को शर्मसार कर दिया तथा उसकी गलत नीतियों के लिए लोग कभी उसे माफ नहीं करेंगे।

एनएचआरसी ने नीतीश सरकार को जारी किया नोटिस

बिहार, एजेंसी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने बिहार के पटना के पटेल नगर इलाके में एक आश्रय गृह में खाद्य विषाक्तता की घटना की मीडिया रिपोर्टों के जवाब में स्वतः संज्ञान शुरू किया है। 7–11 नवंबर, 2024 के बीच हुई इस घटना ने मानसिक स्वास्थ्य और बेघर महिलाओं की सुविधा में 13 महिला कैदियों को प्रभावित किया। दुखद रूप से, तीन महिलाओं की जान चली गई, जबकि अन्य में रात का खाना खाने के बाद उल्टी और दस्त जैसे लक्षण विकसित हुए। प्रभावित लोगों को जल्द ही इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। घटना के मद्देनजर बिहार सरकार के विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण निदेशालय द्वारा वित्त पोषित आवास अब कथित तौर पर जांच के दायरे में है। एनएचआरसी ने इस मामले से उजागर हुए संभावित मानवाधिकार उल्लंघनों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

आयोग ने इस बात पर जोर दिया कि, कानूनी संरक्षक के रूप में, शरण अधिकारी अपनी देखभाल के तहत कैदियों के कल्याण के लिए जिम्मेदार हैं। परिषद ने इस घटना को एक गंभीर मामला बताया जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। रिपोर्ट के मद्देनजर एनएच आरसी ने बिहार के मुख्य सचिव को नोटिस भेजकर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट देने का अनुरोध किया है. रिपोर्ट में पीड़ितों की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, प्रभावित व्यक्तियों या उनके परिवारों को मुआवजा प्रदान किया गया है।

हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन को गति देगी योगी सरकार

लखनऊ, संवाददाता। योगी सरकार महिला सशक्तीकरण की दिशा में लगातार नए आयाम स्थापित कर रही है। प्रदेश में महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन' और 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना' को एक नई गति दी जा रही है। इन योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और आर्थिक सशक्तीकरण को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे प्रदेश में सामाजिक और आर्थिक बदलाव की नई राहें खुल रही हैं। योजना को प्रभावी रूप से लागू करने के लिए प्रदेश भर में जिलास्तर पर निर्धारित 7 कर्मियों की भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, जिसे आगामी एक महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। 'हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन' और 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना' जैसी योजनाओं को मजबूती से लागू कर, राज्य सरकार महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में अग्रसर है। 'हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन' को लेकर भारत सरकार द्वारा 2022 में जारी नई गाइडलाइन्स को अपनाते हुए योगी सरकार ने सभी जिलों में सेवा केंद्रों का संचालन सुनिश्चित किया है। इन केंद्रों के माध्यम से महिलाओं को स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। योगी सरकार ने 'हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन के माध्यम से महिलाओं को राज्य और राष्ट्रीय स्तर की योजनाओं के बारे में जानकारी देने, उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया को और सुदृढ़ किया है। 'हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेनश

कर्मियों को कौशल विकास, लैंगिक समानता और घरेलू हिंसा से बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 'हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन योजना में जिलास्तर पर निर्धारित 7 कर्मियों की भर्ती की जानी है। योगी सरकार ने योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 'हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेनश और पीएमएमवीवाई कर्मियों की नियुक्ति में आउटसोर्सिंग प्रक्रिया अपनाई है। इन कर्मियों की भर्ती में पूर्ववर्ती महिला शक्ति केंद्र योजना तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत कार्य कर चुके कर्मियों को योग्यता व पात्रता के अनुरूप प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। यह प्रक्रिया जेम पोर्टल के माध्यम से पूरी की जाएगी, जिससे नियुक्तियों में किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सके। इसके साथ ही, कर्मियों को उनके कार्य के लिए मानदेय का भुगतान जिला स्तर पर किया जाएगा। प्रदेश में महिला और बाल विकास मंत्रालय के सहयोग से 2017 से 2024 तक 'प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना' का संचालन किया गया। मार्च 2024 से इस योजना को बाल विकास सेवा और पुष्टाहार विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को वित्तीय सहायता प्रदान कर उनके पोषण और स्वास्थ्य का ध्यान रखना है। पीएमएमवीवाई के माध्यम से महिलाओं को 5,000 रुपये की सहायता राशि तीन किस्तों में दी जाती है। इस योजना से लाखों महिलाओं को लाभ हुआ है, जिससे उनकी पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिली है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री यादव ने तकनीकी दक्षता के लिए इजराइल की जमकर तारीफ की

इंदौर, एजेसी। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इजराइल की जमकर तारीफ की और कहा कि एक करोड़ से भी कम आबादी वाले इस मुल्क ने दुश्मनों से निपटने तथा कृषि उत्पादन के क्षेत्रों में तकनीकी दक्षता की मिसाल पेश की है। यादव ने इंदौर में 'सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज' के छठे दीक्षांत समारोह में कहा कि 1950 के दशक में आजाद होने के बाद से लेकर अब तक इजराइल अपनी तकनीकी दक्षता के बलबूते पर सारी चुनौतियों से पार पा रहा है। उन्होंने कहा कि इजराइल की आबादी एक करोड़ से भी कम है लेकिन आस–पास के जिन देशों से इजराइल की लड़ाई चल रही है उनकी जनसंख्या इससे कहीं ज्यादा है। यादव ने सितंबर में हिजबुल्ला के खिलाफ इजराइल के ''पेजर हमलों'' का उदाहरण देते हुए कहा,''हिजबुल्ला के लोग बता सकते हैं कि एक पेजर भी कितना भारी पड़ता है। तकनीकी दक्षता का इससे बड़ा कोई उदाहरण होगा क्या?

मुख्यमंत्री ने भारत के सबसे बड़े सोयाबीन उत्पादक मध्यप्रदेश और इजराइल की इस तिलहन फसल की उत्पादकता को लेकर तुलना भी की। तकनीकी दक्षता के कारण ही इजराइल की प्रति बीघा सोयाबीन उत्पादकता मध्यप्रदेश से कहीं ज्यादा है, जबकि इस मुल्क में भारत के मुकाबले बेहद कम बारिश होती है। यादव ने यह भी कहा कि कोविड–19 के खिलाफ टीका करण और डिजिटल भुगतान के क्षेत्रों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया के सामने नजीर पेश की है।

बिहार में बिछेगा सड़कों का जाल, 2029 तक होगे अमेरिका जैसे हाई-वे - नितिन गडकरी

बिहार, एजेंसी। अकेंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दावा किया कि 2029 तक, जब भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए केंद्र में सत्ता में 15 साल पूरे करेगा, बिहार का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क संयुक्त राज्य अमेरिका के नेटवर्क को टक्कर देगा। राजमार्ग मंत्री गडकरी ने बोधगया में लगातार कार्यक्रमों में बोलते हुए यह बयान दिया। मंत्री ने कहा कि बिहार में सड़क संरचना में तेजी से प्रगति देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि मैं वादा करता हूं कि मौजूदा पांच साल के कार्यकाल के बाद, जब हम सत्ता में 15 साल पूरे करेंगे, तो बिहार का नेटवर्क अमेरिका के बराबर होगा। उन्होंने आगे कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य के सड़क नेटवर्क में काफी सुधार देखा गया है। उन्होंने कहा, "बिहार के सड़क नेटवर्क में पिछले कुछ वर्षों में जबरदस्त सुधार देखा गया है और एनडीए सरकार आगे विकास के लिए काम करना जारी रखेगी। उन्होंने 3,700 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। बिहार और भारत की सांस्कृतिक विरासत का केंद्र बोधगया, आज नई परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के साथ त्वरित विकास के लिए तैयार है। गडकरी ने एक्स पर लिखा कि आज लोकार्पित हुए हसनपुर से बख्तियारपुर मार्ग चौड़ीकरण से नालंदा और पटना जिलों को लाभ होगा। साथ ही यह मार्ग झारखंड राज्य से बिहार को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। यह परियोजना यातायात और माल ढुलाई को आसान करेगी और व्यापार तथा उद्योगों को भी प्रोत्साहित करेगी। इन सभी परियोजनाओं का लाभ क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण साबित होगा।

बोधगया और राजगीर जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल बेहतर कनेक्टिविटी से जुड़ जाएंगे। अन्य नई परियोजनाओं की घोषणा की गई। 5100 करोड़ रुपए की लागत से 90 किमी लंबाई के मोकामा से मुंगेर मार्ग का चौड़ीकरण जो धार्मिक स्थल अशोकधाम और बड़हिया स्पर की घोषणा की। पश्चिम चंपारण में बेतिया के पास 2500 करोड़ रुपए की लागत से गंडक नदी पर 11 किमी 4– लेन ब्रीज तथा 19 किमी एप्रोच रोड की घोषणा की।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एमवीए 160 से 165 सीटें जीतेगी – संजय राउत

महाराष्ट्र, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के एक दिन बाद, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि विपक्षी महा विकास आघाड़ी (एमवीए) गठबंधन कुल 288 में से 160 से 165 सीटें जीतेगा और राज्य में एक स्थिर सरकार प्रदान करेगा। राज्यसभा सदस्य राउत ने यह भी कहा कि एमवीए नेता होने वाली मतगणना से पहले बैठक करेंगे। बुधवार को मतदान समाप्त होने के बाद ज्यादातर एग्जिट पोल ने महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत का अनुमाान जताया, जबकि कुछ ने पश्चिमी राज्य में एमवीए गठबंधन को बढ़त दी। राउत ने संवाददाताओं से कहा, ''हम और हमारे सहयोगी, जिनमें पीडब्ल्यूपी, समाजवादी पार्टी, वामपंथी दल जैसे छोटे दल शामिल हैं, बहुमत का आंकड़ा पार कर रहे हैं। हम 160–165 सीटें जीत रहे हैं। राज्य में एक स्थिर सरकार होगी। एमवीए में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार की अगुवाई वाली राकांपा (शप) शामिल हैं। सत्तारूढ़ महायुति में भाजपा, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना और उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की राकांपा शामिल हैं। महायुति गठबंधन जहां सत्ता बरकरार रखने के लिए दृढ़ संकल्प है, वहीं विपक्षी एमवीए गठबंधन राज्य में 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने अच्छे प्रदर्शन को विधानसभा चुनाव में भी दोहराने की उम्मीद कर रहा है।

झारखंड में भाजपा और एनडीए की बनेगी सरकार

झारखंड, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री और झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल

मरांडी, संगठन सचिव कर्मवीर सिंह और भाजपा पदाधिकारियों को अपने आवास पर आमंत्रित कर अनौपचारिक बैठक की और विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। शिवराज सिंह चौहान ने सभी अधिकारियों को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान बीजेपी कार्यालय पहुंचे और कार्यालय में काम करने वाले सफाई कर्मचारी, लिफ्टमैन, रसोइया, भाई–बहन समेत सभी कर्मचारियों को उनकी अथक मेहनत और चुनाव में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं एवं कर्मचारियों ने अपने अनुभव चौहान के साथ साझा किये। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक परिवार है। उन्होंने कहा, परिवार में एक मंत्री है, एक मुख्यमंत्री है, लेकिन सभी कार्यकर्ता एक परिवार हैं जो राष्ट्र पुनरुत्थान के मिशन में लगे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि वे झारखंड से मीठी यादें लेकर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह एक अद्भुत राज्य है, यहाँ बहुत सारी संभावनाएँ हैं। यहां के लोगों ने उन्हें बहुत स्नेह और प्यार दिया है। उन्होंने कहा कि झारखंड से बड़ी मीठी स्मृतियां लेकर जा रहा हूं। यह बड़ा अद्भुत प्रदेश है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि झारखंड में भाजपा और एनडीए की सरकार बनेगी तथा झारखंड विकसित, सुरक्षित तथा घुसपैठियां मुक्त राज्य बनेगा।

उमर अब्दुल्ला ने किया पूंछ का दौरा

जम्मू–कश्मीर, एजेंसी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने डाक बंगले में पुंछ में विकास परियोजनाओं पर 21 सार्वजनिक प्रतिनिधिमंडलों के साथ बैठक की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए जम्मू –कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि चुनाव के बाद जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए आज हम पुंछ आए थे।

जम्मू में ये पहला जिला है जहां हमने विकास के हवाले से अधिकारियों की बात सुनी है। यहां लोगों द्वारा चुने गए प्रतिनिधि भी मौजूद थे। अफसरों से बातचीत हुई, कुछ मुद्दों के लिए वहीं उन्हें जवाबदेह बनाया गया। हमारा फर्ज है कि हम लोगों के साथ तालमेल बनाए रखें। आज लगभग 24 अलग– अलग प्रतिनिधिमंडलों से मैं खुद मिला और यहां जो भी कमियां हैं उसके लिए हिदायत दी गई है। इससे पहले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उनके लिए विशेष रूप से रखी गई बड़ी कुर्सी पर बैठने से इनकार कर दिया। अब्दुल्ला ने चट्टा स्थित शेर– ए– कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसकेयू एएसटी) के मुख्य परिसर में चार दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि शिखर सम्मेलन एवं किसान मेले' का उद्घाटन किया। मंच पर पहुंचे अब्दुल्ला ने देखा की उनकी कुर्सी बड़ी थी। उन्होंने एसकेयूएएसटी के प्रबंधन से उनके लिए भी मंच पर बैठे अन्य लोगों जैसी कुर्सी रखने का अनुरोध किया। फारूक अब्दुल्ला ने भारतीय जनता पार्टी पर जम्मू के प्रति चिंता नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा।

संपादकीय

बुलडोजर क्यों रोकना पड़ा ?

बुलडोजर भारत में आक्रामक सरकारी कार्रवाई का प्रतीक बन गए हैं। बहुसंख्यकवाद और विभाजनकारी राजनीति के दौर में, वे न केवल भौतिक संरचनाओं के विध्वंस का प्रतीक बन गए, बल्कि कानून के शासन के विचार को भी ध्वस्त कर दिया। सितंबर 2021 में असम में हुई तोड़फोड़ के आधार पर बेदखली अभियान को राज्य के मुख्यमंत्री ने उचित ठहराया था। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और दिल्ली जैसे राज्यों में दंडात्मक उपाय के रूप में आवासीय और अन्य इमारतों को तोड़ दिया गया है। ये बुलडोजर कार्रवाई अक्सर राज्य की प्रत्यक्ष या गुप्त भागीदारी के साथ होती थी। सरकारों द्वारा दिखाई गई यह उदारता ही है जिसने भारतीय सामाजिक परिदृश्य में एक नया सामान्य बनाया है। यह अब कुछ नौकरशाहों की ओर से एक अपवाद नहीं है जो सत्ता के मनमाने इस्तेमाल से कुछ असहाय पीड़ितों को निशाना बनाना चुनते हैं। ये कार्रवाइयाँ अक्सर सांप्रदायिक एजेंडे से प्रेरित होती थीं जिसने संवैधानिक शासन के विचार को बदल दिया। इसी संदर्भ में 13 नवंबर को दिए गए ढांचों को गिराने के मामले में निर्देशों के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पढ़ा जा सकता है। हालांकि फैसला देर से आया है, लेकिन भविष्य के लिए इसके महत्व पर जोर दिया जाना चाहिए। फैसले की शुरुआत में पूछा गया सवाल कि क्या कार्यपालिका को दंडात्मक उपाय के तौर पर किसी आरोपी के आश्रय को गिराने की अनुमति दी जानी चाहिए, इसका जवाब नकारात्मक में ही दिया जा सकता है और फैसला भी ऐसा ही करता है। अंतिम निर्णय में देरी के बजाय, विध्वंस के खिलाफ निषेधात्मक आदेश पारित करने में देरी ने देश में मनमानी सरकारी कार्रवाई को जारी रखा। इसके लिए अदालत सामूहिक रूप से दोषी है। अदालत ने 17 सितंबर, 2024 को ही अंतरिम आदेश जारी किया। पीठ ने वकीलों को मुद्दे के विभिन्न पहलुओं पर अपने सुझाव देने की अनुमति दी थी। इनमें नोटिस की तामील, नोटिस के जवाब पर विचार करने का तरीका, कार्रवाई में आनुपातिकता, कार्रवाई की न्यायिक समीक्षा, जवाबदेही, संबंधित अधिकारियों की देयता आदि शामिल हैं। यह निर्णय सैद्धांतिक स्तर पर आम जनता के लिए न्यायिक सांत्वना है। न्यायालय ने ए.वी. डाइसी की कानून के शासन की अवधारणा को विस्तार से बताया। इसने शक्तियों के पृथक्करण पर क्लासिक लोकतांत्रिक सिद्धांत और बहुमत के अत्याचार की रोकथाम के लिए जाँच और संतुलन के विचार को स्पष्ट किया। इसने सभी संबंधित लोगों को सार्वजनिक विश्वास और जवाबदेही की धारणाओं के बारे में याद दिलाया। एक बार फिर, न्यायालय ने दंडात्मक कानूनों के पारंपरिक गुणों को रेखांकित किया, जैसे निर्दोषता का अनुमान और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन। इसने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमापूर्ण जीवन के मौलिक अधिकार के साथ आश्रय के अधिकार को सही ढंग से एकीकृत किया। इस तरह न्यायालय ने सामूहिक दंड के विचार के पीछे की खतरनाक मूर्खता को उजागर किया, वह भी एक कार्यकारी द्वारा जो अपने स्वयं के मामले का न्यायाधीश बन जाता है। अंत में, न्यायालय ने कार्रवाई से पहले आवश्यक विवरण और व्यक्तिगत सुनवाई के साथ 15 दिन का नोटिस अनिवार्य कर दिया। निर्देशों में अंतिम आदेशों की न्यायिक जांच और वीडियोग्राफी सहित विस्तृत प्रक्रियाएं निर्धारित की गई हैं, यहां तक घ्घकि अनुमत विध्वंस के लिए भी। मामला अभी समाप्त नहीं हुआ है और इसलिए, न्यायालय द्वारा आगे के निर्देश जारी करना काफी संभव है, जो निर्देशों में कमियों को ठीक कर सकते हैं। सवाल यह है कि कार्य को प्रभावी ढंग से कैसे पूरा किया जा सकता है। यह बताया गया है कि भारत में, 2022 से, लगभग 1,50,000 घरों पर बुलडोजर की कार्रवाई की गई, जिससे लगभग 7,38,000 लोग बेघर हो गए। न्यायालय को इस जमीनी हकीकत को संबोधित करना था। सर्वोच्च न्यायालय या विभिन्न उच्च न्यायालयों ने ऐसे अधिकांश अक्षम्य कृत्यों के खिलाफ समय पर निषेधात्मक आदेश जारी नहीं किए, यह इस प्रकरण पर एक दुखद टिप्पणी है।यह हमें फिर से संवैधानिक न्यायनिर्णयन में अंतरिम आदेशों के महत्व की ओर ले जाता है। जब आवश्यकता होती है, तो संवैधानिक न्यायालय अंतरिम आदेश जारी करने के लिए बाध्य होते हैं जो अंतिम आदेशों की तरह ही महत्वपूर्ण या कभी–कभी अधिक महत्वपूर्ण हो सकते हैं। अंतरिम आदेशों के उद्देश्य के लिए लागू किए जाने वाले तीन सिद्धांत हैंरू प्रथम दृष्टया मामला, सुविधा का संतुलन और अपूरणीय क्षति की संभावना। यह तिहरा परीक्षण देश में लगभग हर बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ सही साबित होगा। बड़े पैमाने पर विध्वंस के मामले में, संवैधानिक न्यायालय को पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा के लिए स्वप्रेरणा से भी कार्य करना चाहिए था, जिसमें मुख्य रूप से अल्पसंख्यक शामिल हैं। हाल के दिनों में सुप्रीम कोर्ट का ट्रैक रिकॉर्ड ऐसे अंतरिम आदेशों के महत्व को प्रदर्शित करेगा। राकेश वैष्णव बनाम भारत संघ (2021) में शीर्ष अदालत ने तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के कार्यान्वयन पर रोक लगा दी थी। एक अन्य अवसर पर अदालत ने सुदर्शन टीवी पर एक कार्यक्रम को इस आधार पर जारी रखने पर रोक लगा दी कि यह प्रथम दृष्टया आपत्तिजनक और विभाजनकारी है। एक अन्य अवसर पर, अदालत ने अभद्र भाषा से जुड़े कृत्यों पर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया।

'ड्रीम टीम' चुनने से भारत की उम्मीदें और आशंकाएं बढ़ीं

आदित्य

चीन की बदौलत, भारत के पास अमेरिकी राष्ट्रपति–चुनाव डोनाल्ड ट्रम्प के मंत्रिमंडल के सदस्यों की प्रारंभिक सूची से नाखुश होने का कोई कारण नहीं है। जबकि मार्को रुबियो और माइक वाल्ट्ज, जिन्हें क्रमशः राज्य सचिव और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में नामित किया गया है, भारत के साथ अधिक स्थायी सुरक्षा संबंधों के पक्षधर हैं, राष्ट्रीय खुफिया के अत्यधिक व्यक्तिवादी नए निदेशक, तुलसी गबार्ड, राष्ट्रपति–चुनाव की अमेरिकी शक्ति के भव्य दृष्टिकोण को मानवीय चिंता के तत्व के साथ जोड़ सकते हैं, जिसका चीन के विरोधी को सहारा देने से कोई लेना–देना नहीं है। फ्लोरिडा के सीनेटर रुबियो ने भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी को व्यापक और गहरा करने के लिए 2023 रक्षा सहयोग अधिनियम की अध्यक्षता की। श्री वाल्ट्ज अमेरिकी कांग्रेस में इंडिया कॉकस के प्रमुख हैं। सुश्री गबार्ड, हवाई के एक श्वेत अमेरिकी जोड़े की अमेरिकी समोआ में जन्मी बेटी हैं, जिन्होंने हिंदू धर्म अपनाया और अपने बच्चों को इस धर्म में पाला, वे आजीवन शाकाहारी हैं। सुश्री गबार्ड ने कांग्रेस में प्रवेश करने की शपथ ली तब वे डेमोक्रेट थीं – भगवद गीता की एक प्रति पर जिसे उन्होंने बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भेंट किया। श्री ट्रम्प ने संयुक्त राज्य अमेरिका में 43 वर्षीय पहली हिंदू कांग्रेस महिला के बारे में घोषणा की, मुझे पता है कि तुलसी हमारे खुफिया समुदाय में वह निडर भावना लेकर आएंगी जिसने उनके शानदार करियर को परिभाषित किया है। यद्यपि खुफिया अभियानों के सीमित अनुभव के साथ, सुश्री गबार्ड नौकरी में सैन्य अनुभव लाती हैं, उन्होंने इराक और कुवैत में तैनाती के साथ दो दशकों

से अधिक समय तक आर्मी नेशनल गार्ड में सेवा की है। इस बीच, महान एलोन मस्कष और अमेरिकी देशभक्त विवेक रामास्वामी दोनों ही राष्ट्रपति–चुनाव द्वारा दिए गए प्रशंसा के पात्र हैं – और नए सरकारी दक्षता विभाग) का नेतृत्व कर रहे हैं, श्री ट्रम्प को उनके सपनों को साकार करने के लिए सरकारी नौकरशाही को खत्म करने, अनावश्यक विनियमन को कम करने, बेकार खर्चों में कटौती करने और संघीय एजेंसियों का पुनर्गठन करने में मदद करेंगे। पिछली बार अमेरिकी नवाचार कार्यालय को यह करना था। लेकिन कोई भी राष्ट्रपति सर्वशक्तिमान नहीं होता। श्री ट्रम्प को DOGE को सफल बनाने के लिए दोनों सदनों की प्रक्रियागत जटिलताओं को दूर करने के लिए सहयोगी सहयोगियों और कुशल वक्ताओं की आवश्यकता होगी। फिर भी, "अमेरिका फर्स्ट" एजेंडा को प्राप्त करने में, श्री ट्रम्प की "ड्रीम टीम" व्यक्तिगत निष्ठा, नीति संरेखण और साझा प्राथमिकताओं में निहित है, जो सभी मित्रों और सहयोगियों को खुश नहीं कर सकती है। अमेरिकी व्यापार अधिकारी सस्ते विनिर्माण के साथ दुनिया को भरने की चीन की रणनीति को मंजूरी नहीं दे सकते। फ्लोरिडा के कांग्रेसी मैट गेट्ज के अटॉर्नी–जनरल के रूप में नामांकन, जिन्होंने नाबालिग के साथ भुगतान किए गए सेक्स सहित कदाचार के आरोपों के बाद इस्तीफा दे दिया, जिसे वे नकारते हैं, ने रिपब्लिकन को भी चौंका दिया है। लाखों प्रवासियों को अधिक से अधिक "ग्रीन कार्ड" प्राप्त करने के लिए भेजने का भारत का अवर्णित एजेंडा नीति के लिए डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर और नए "बॉर्डर सीजर" टॉम होमन द्वारा विफल हो सकता है। जो भारतीय पीड़ित महसूस करते हैं वे सुश्री गबार्ड की ओर रुख कर सकते हैं जिन्होंने अपने पिछले करियर में एक से अधिक बार उनके लिए डंडे उठाए हैं। 2017 में इंडिया कॉकस के सह–अध्यक्ष चुने जाने के तुरंत बाद, उन्होंने इस बारे में बात की कि कैसे पाकिस्तान भारत, अफगानिस्तान और अन्य जगहों पर आतंकवादियों द्वारा अपने क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति देता रहा है। उन्होंने बताया, ष्कांग्रेस में, मैंने पाकिस्तान के लिए अमेरिकी सहायता, विशेष रूप से किसी भी सैन्य सहायता में कटौती करने और पाकिस्तान पर इन खतरनाक कार्रवाइयों को रोकने और इन संबंधों को तोड़ने के लिए दबाव बढ़ाने का काम किया है। सीरिया और उसके आसपास के इलाकों में आतंकवादी समूहों को अमेरिकी फंडिंग को समाप्त करने के लिए उन्होंने प्रतिनिधि सभा में स्टॉप आर्मिंग टेररिस्ट एक्ट पेश किया, अगर यह पारित हो जाता तो पाकिस्तान जैसे आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों के लिए अमेरिकी फंडिंग बंद हो जाती। भारतीय अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के साथ–साथ भारतीयों, हिंदुओं, सिखों और अन्य धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में हालिया वृद्धि के बारे में उनकी टिप्पणियाँ मानवीय स्थिति के लिए एक गहरी चिंता और भारत के नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 को प्रेरित करने वाली मजबूरियों की सहज समझ को प्रकट करती हैं। उन्होंने 1971 में हिंदुओं के खिलाफ क्रूरता के लिए पाकिस्तानी सेना पर हमला किया और हाल ही में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के संरक्षण के लिए कांग्रेस में एक प्रस्ताव पेश किया, क्योंकि उन्हें बार–बार अत्याचार सहना पड़ा था। उन्होंने वादा किया था, 115वीं कांग्रेस में हम अपने समुदायों में जागरूकता और समझ बढ़ाने के लिए अपना काम जारी रखेंगे और न्याय विभाग से इन भयानक कृत्यों की जांच करने और देश भर में घृणा अपराधों में वृद्धि को संबोधित करने का आग्रह करेंगे। उनका प्रभाव शेख हसीना के निष्कासन के बाद हाल ही में बांग्लादेश में हिंदू विरोधी हिंसा के खिलाफ श्री ट्रम्प के मुखर अभियान को आंशिक रूप से समझा सकता है। यह विडंबना है कि बांग्लादेश के अटॉर्नी जनरल मुहम्मद असदुज्जमां को यह सुझाव देने के लिए इस क्षण का चयन करना चाहिए कि बड़ी मुस्लिम आबादी (अब 90 प्रतिशत से अधिक) वाले बांग्लादेश को संवैधानिक रूप से एक मुस्लिम देश बन जाना चाहिए। लेकिन यह बिल्कुल अलग मुद्दा है। व्यक्तिगत स्तर पर, मार्को रुबियो के नामांकन ने श्री ट्रम्प के साथ उनके संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से बदल दिया है। 2016 के रिपब्लिकन प्राइमरी के दौरान एक कट्टर आलोचक जब उन्होंने आज के निर्वाचित राष्ट्रपति को एक मुस्लिम देश कहा था। "धोखेबाज", मि. रुबियो अब एक सहयोगी हैं, जो आव्रजन और विदेशी संबंधों पर मि. ट्रम्प की नीतियों को अपना रहे हैं। सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी के उपाध्यक्ष और सीनेट फॉरेन रिलेशंस कमेटी के सदस्य के रूप में उनकी विशेषज्ञता और चीन, क्यूबा और ईरान पर उनके आक्रामक विचारों को देखते हुए, मि. रुबियो मि. ट्रम्प की विदेश नीति के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में केंद्रीय भूमिका निभा सकते हैं। अन्य महत्वपूर्ण लोगों में शामिल हैं फॉक्स न्यूज के पीट हेगसेथ, जिन्हें अब रक्षा सचिव के रूप में नामित किया गया है, जो इराक और अफगानिस्तान के युद्ध के अनुभव वाले आर्मी नेशनल गार्ड के अनुभवी हैंय साउथ डकोटा की साहसी गवर्नर क्रिस्टी नोएम जो होमलैंड सिक्योरिटी की सचिव होंगीय और "कठोर, स्मार्ट, अभिनव और सार्वभौमिक रूप से प्रशंसित और सम्मानित" (मि. ट्रम्प के हवाले से) सूजी विल्स, जिन्होंने कोविड–19 प्रतिबंधों को लागू करने से इनकार कर दिया शेष दो रहस्य हैं, यूक्रेन पर रूस के फरवरी 2022 के आक्रमण और पश्चिम एशिया में इजरायल की आक्रामकता पर आने वाले प्रशासन का रुख। दुनिया को इस बात का इंतजार है कि राष्ट्रपति–चुनाव यूक्रेन में शांति लाने के लिए अपनी तत्परता और क्षमता का प्रदर्शन करें। साथ ही, इजरायल में राजदूत के रूप में चुने गए अर्कांसस के पूर्व गवर्नर माइक हुकाबी, जायोनी राज्य के कट्टर रक्षक और दो–राज्य समाधान के विरोधी हैं, इसके बजाय वे पूरे क्षेत्र में इजरायल के वास्तविक अवशोषण की वकालत करते हैं। श्री ट्रम्प के इरादे तब स्पष्ट हो सकते हैं जब उनके अस्तबल में छिपे घोड़े, उनके दामाद, जेरेड कुशनर, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे सऊदी अरब के असली शासक, क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद के उतने ही करीब हैं, जितने कि वे जायोनी चरमपंथ के हैं, निर्णय लेने की प्रक्रिया में सामने आते हैं। पिछली बार श्री कुशनर के नेतृत्व में OAI बहुत आगे नहीं बढ़ पाया था। ऐसी आशंका है कि DOGE भी उसी रास्ते पर जा सकता है। अगर ऐसा होता है, तो भारतीय–अमेरिकी कम से कम तुलसी गबार्ड की ओर रुख कर सकते हैं। नियमों की अनुमति मिलने पर, उनके मूल देश हवाई की अलोहा भावना उन्हें निराश नहीं करेगी।

कानूनी दायरे में कैसे लाए जाएं चुनावी वायदे

उमेश

चुनाव घोषणा पत्रों में किए वायदों को पूरा न कर पाने को लेकर सत्ता में आने वाला हर राजनीतिक दल मतदाताओं और विपक्षी दलों के निशाने पर रहा है। मतदाताओं की बढ़ती जागरूकता के चलते इन आलोचनाओं से बचने के लिए राजनीतिक दलों ने अब चुनाव घोषणा पत्र जारी करना बंद कर दिया है। 2012 के उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में उतरी कांग्रेस ने राज्य के लिए विजन डाक्युमेंट जारी किया। इसके बाद सभी दलों ने चुनाव घोषणा पत्र के शीर्षक को तकरीबन त्याग दिया। अब भारतीय जनता पार्टी हर चुनाव के पहले संकल्प पत्र जारी करती है तो कांग्रेस अब गारंटियां देने लगी हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी ने पांच गारंटी देने का वादा किया। जो उसके लिए बहुत हिट रहा। अब पार्टियां गारंटी देती हैं, दृष्टि पत्र प्रस्तुत करती हैं और संकल्प पत्र प्रस्तुत करती हैं। गारंटी और संकल्प जैसे शब्द एक तरह से गवाह हैं कि राजनीतिक दलों के वायदों को लेकर मतदाताओं का एक बड़ा अब आलोचनात्मक रूख ही नहीं रखता है, बल्कि उन पर भरोसा भी नहीं करता। घोषणा पत्र भले ही अब गारंटी या दृष्टि या संकल्प पत्र में तबदील हो गए हों, लेकिन अब भी उनकी साख नहीं बन पाई है। इसकी वजह यह है कि कई बार राजनीतिक दल वोटरों को लुभाने के चक्कर में ऐसे भी वायदे कर डालते हैं, जिन्हें पूरा कर पाना उनके लिए संभव नहीं होता। राजनीतिक दल भी जानते हैं कि संकल्प, दृष्टि या गारंटी पत्र में दिए वायदों को शत–प्रतिशत पूरा करना संभव नहीं है और अगर वे करते भी हैं तो सरकारी अर्थव्यवस्था का चरमरा सकती है। फिर वे वायदे करते हैं या कह सकते हैं कि सत्ता के लक्ष्य को लेकर चलने वाली मौजूदा राजनीति की यह मजबूरी भी है। चुनाव घोषणा पत्रों और आज के दृष्टि और संकल्प पत्रों में किए वायदों और उन्हें लागू किए जाने को लेकर ठोस शोध जरूरी है। लेकिन मोटे तौर पर इनमें दर्ज ज्यादातर वायदे पूरे हो ही नहीं पाते। इसलिए मतदाताओं के एक वर्ग अलग ढंग से सोचने लगा है। मतदाताओं के एक वर्ग का मानना है कि चाहे जिस भी फ्रेम में चुनाव घोषणा पत्र जारी हों, उन्हें उपभोक्ता कानून के दायरे में लाना चाहिए। जिस तरह किसी प्रोडक्ट का निर्माता अपने प्रोडक्ट को लेकर गारंटी या वारंटी देता है, और जब वे पूरे नहीं होते तो उसके प्रोडक्ट खरीदने वाले उत्पादक के खिलाफ उचित फोरम में जाकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं, उसी तरह चुनावी घोषणा पत्रों को लेकर भी कानून होने चाहिए। इस वर्ग का मानना है कि एक फोरम ऐसा भी होना चाहिए, जिसे कानूनी ताकत हासिल हो और जो चुनावी वायदाखिलाफी की सुनवाई कर सके। चुनाव घोषणा पत्रों की स्थिति संविधान के नीति निर्देशक तत्वों की तरह ही है। नीति निर्देशक तत्व राज्य से लोक हित के तमाम कदम उठाने को लेकर उम्मीद तो करता है, लेकिन राज्य के लिए ऐसा करना अनिवार्य नहीं बनाता। नीति निर्देशक तत्वों के तहत राज्य या सरकार कदम नहीं उठाती तो किसी को भी किसी भी अदालत में इसकी शिकायत की ना तो अनुमति है और ना ही कोई अदालत ऐसी सुनवाई कर भी सकती है। चुनाव घोषणा पत्रों की भी कुछ ऐसी ही स्थिति है। हालांकि ऐसा नहीं है कि चुनाव घोषणा पत्रों को लेकर अदालतों के सामने सवाल नहीं उठे। चुनाव घोषणा पत्र को लेकर दाखिल एक याचिका पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 5 जुलाई 2013 को अपना फैसला सुनाया था। एस. सुब्रमण्यम बालाजी बनाम तमिलनाडु सरकार और अन्य के मामले में देश की सबसे बड़ी अदालत ने चुनाव आयोग को सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की सलाह से चुनावी घोषणापत्र के संबंध में दिशा–निर्देश तैयार करने का निर्देश दिया था। इस फैसले में कोर्ट ने कहा था, चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के बीच समान अवसर सुनिश्चित करने और यह देखने के लिए कि चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता पर आंच ना आए, घोषणापत्र को लेकर निर्देश जारी करे। जैसे आयोग आदर्श आचार संहिता के निर्देश जारी करता है। – आयोग के पास संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए ऐसे आदेश दे सकता है। अदालत को पता है कि सामान्यतया राजनीतिक दल मतदान के पहले चुनाव घोषणा पत्र जारी करते हैं, ऐसी स्थिति में चुनाव आयोग के पास किसी भी कार्य को रेगुलेट करने का अधिकार नहीं होता है। फिर भी, घोषणा पत्र को लेकर अपवाद बनाया जा सकता है, क्योंकि चुनावी घोषणापत्र का उद्देश्य सीधे चुनाव प्रक्रिया से जुड़ा होता है। इसके बाद चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से विचार–विमर्श के बाद साल 2015 में चुनाव घोषणा पत्र को लेकर गाइड–लाइन जारी की थी। इसके अनुसार, चुनाव घोषणापत्र में संवैधानिक आदर्शों और सिद्धांतों से इतर कुछ भी नहीं होगा और यह आदर्श आचार संहिता के अन्य प्रावधानों की भावना के अनुरूप होगा। संविधान में निहित राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के तहत राज्यों को नागरिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी उपाय करने के आदेश हैं, इसलिए चुनावी घोषणा पत्रों में ऐसे कल्याणकारी उपायों के वायदे पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती।

टिप्पणी का मजाक

अजय

मोहम्मद शमी ने सोशल मीडिया पर पूर्व खिलाड़ी और कमेंटेटर संजय मांजरेकर के इस सुझाव का मजाक उड़ाया कि भारतीय तेज गेंदबाज को इंडियन प्रीमियर लीग की आगामी मेगा नीलामी में अधिक कीमत नहीं मिलेगी। शमी, जिन्होंने 2013 में अपने पदार्पण के बाद से 110 आईपीएल मैचों में 127 विकेट लिए हैं, टखने की चोट के कारण लगभग एक साल तक बाहर रहने के बाद हाल ही में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की है, जिसके लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी।

34 वर्षीय तेज गेंदबाज को मेगा नीलामी से पहले गुजरात टाइटन्स ने रिलीज कर दिया था और उन्हें 2 करोड़ रुपये के आधार मूल्य पर सूचीबद्ध किया गया है।शमी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, बाबा की जय हो। थोड़ा सा ज्ञान अपने भविष्य के लिए भी बचा लो काम आएगा संजय जी। किसी को भविष्य जानना हो तो सर से मिले। मांजरेकर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है

कि कई टीमें शमी के लिए बोली लगाएंगी, जिन्होंने 2022 के संस्करण में गुजरात टाइटन्स के लिए 20 विकेट लिए और फ्रैंचाइजी को अपना पहला खिताब जीतने में मदद की, लेकिन उन्हें उम्मीद नहीं है कि दाएं हाथ के तेज गेंदबाज के लिए इतनी बोली लगेगी।

मांजरेकर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, निश्चित रूप से टीमें दिलचस्पी दिखाएंगी, लेकिन शमी की चोट के इतिहास को देखते हुए – और हाल ही में हुई चोट को ठीक होने में काफी समय लगा – सीजन के दौरान संभावित ब्रेकडाउन के बारे में हमेशा चिंता रहती है। उन्होंने कहा, ष्अगर कोई फ्रैंचाइज भारी निवेश करती है और फिर उसे बीच सीजन में खो देती है, तो उनके विकल्प सीमित हो जाते हैं।

इस चिंता के कारण उसकी कीमत में गिरावट आ सकती है। शमी की प्रतिक्रिया कुछ दिनों पहले ऋषभ पंत के उस बयान के बाद आई है, जब भारतीय विकेटकीपर–बल्लेबाज ने दिग्गज सुनील गावस्कर के इस आकलन को खारिज कर दिया था कि शायद उन्होंने रिटेंशन फीस पर असहमति के कारण दिल्ली कैपिटल्स छोड़ दी।

मुख्य समस्या का समाधान नहीं कर रहा

ललित

अगर मेरा आपसे कोई विवाद है, तो मैं इसे तीन तरीकों में से एक से सुलझा सकता हूँ। पहला तरीका है बातचीत। हम इस धारणा पर बातचीत करते हैं कि दोनों पक्ष तर्कसंगत हैं और हालाँकि दोनों अपने–अपने हित को देखते हैं, फिर भी समझौता संभव है। दूसरा तरीका है हमारे बीच किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता (मध्यस्थता) और हम किसी ऐसे व्यक्ति को ढूँढ़ते हैं जिस पर हम दोनों भरोसा करते हैं और फिर उनके समाधान को स्वीकार करते हैं। तीसरा तरीका है बल (युद्ध) और हम में से कोई एक दूसरे को थोपे गए समाधान को स्वीकार करने के लिए मजबूर करता है। कोई चौथा तरीका नहीं है। भारत अगले साल किसी टूर्नामेंट में खेलने के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करना चाहता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को ICC से एक ईमेल मिला है, जिसमें कहा गया है कि BCCI ने उन्हें सूचित किया है कि उनकी टीम

ICC चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगीष। यह उस स्थिति के अनुरूप है जो हम कई वर्षों से रखते आ रहे हैं। वास्तव में, अगर कोई सही कह रहा है, तो पिछली सरकार के तहत भी भारत ने पाकिस्तान का दौरा करना या उसे खेलने के लिए आमंत्रित करना बंद कर दिया था। कारण, कभी–कभी कहा जाता है और कभी–कभी नहीं, यह है कि जब तक सीमा पार आतंकवाद बंद नहीं हो जाता, हम पाकिस्तान से कूटनीतिक रूप से "बातचीत" नहीं करेंगे और विस्तार से सांस्कृतिक रूप से उससे जुड़ेंगे भी नहीं। इन दिनों मुझे क्रिकेट में बहुत कम रुचि है, और मुझे नहीं पता कि हमारा कप्तान कौन है और मैं टेस्ट टीम के आधे लोगों को पहचान नहीं सकता। मुझे इस बात की विशेष परवाह नहीं है कि हमारी टीम खेलेगी या बाहर बैठेगी और अंक खो देगी। मैं यह इसलिए लिख रहा हूँ ताकि सरकार के इस रुख की तर्कसंगत रूप से जाँच कर सकूँ कि हम दुश्मन से नहीं जुड़ेंगे। जैसा कि मेरे ट्विटर मित्र डॉ. अजय कामथ ने बताया है, यह रुख इस साल की शुरुआत में डेविस कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने (और जीतने) के लिए इस्लामाबाद जाने वाले भारत के टेनिस खिलाड़ियों पर लागू नहीं होता। यह हमारे विदेश मंत्री श्री एस. जयशंकर पर भी लागू नहीं होता, जो पिछले महीने शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भाग लेने के लिए इस्लामाबाद गए थे। हमारे विदेश मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, श्री जयशंकर के शुरुआती शब्द थे "सबसे पहले, मैं इस साल एससीओ शासनाध्यक्ष परिषद की अध्यक्षता के लिए पाकिस्तान को बधाई देता हूँ। भारत ने सफल अध्यक्षता के लिए अपना पूरा समर्थन दिया है। डेविस कप और एससीओ बहुपक्षीय (दो से अधिक राष्ट्र शामिल) आयोजन हैं। आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी भी वैसी ही है। जब हम टेनिस खेलने के लिए तैयार हैं तो हम क्रिकेट खेलने क्यों नहीं जाएंगे? अगर हम एससीओ जैसे गंभीर क्षेत्र में पाकिस्तान को ष्पूरा समर्थनष दे रहे हैं, तो हम दूसरे, अधिक तुच्छ क्षेत्र में ऐसा क्यों नहीं कर रहे हैं? इसका उत्तर तर्क या कारण के दायरे में नहीं मिलेगा। तथ्य यह है कि भारत की सरकार ने क्रिकेट को, जिसे बिना भावना के परखा जाए तो वयस्क पुरुषों द्वारा डंडे से गेंद मारने और फिर उसके पीछे भागने के बारे में बताया गया है, कुछ ऐसा बना दिया है जो वास्तव में नहीं है। क्रिकेट राष्ट्रीय सम्मान का भंडार नहीं है और इसके मैदानों पर खेलना या न खेलना और जीतना या हारना बाहरी दुनिया को प्रभावित नहीं करता है। दुश्मन के साथ क्रिकेट न खेलना निश्चित रूप से हमारी समस्याओं का समाधान नहीं है, जिसे ऊपर बताए गए केवल तीन तरीकों में से एक से हल किया जा सकता है। कोई चौथा तरीका नहीं है और प्रतिद्वंद्वी के साथ कट्टी करना, जैसा कि हमारे स्कूलों में बच्चे करते हैं, प्रभावी या सार्थक प्रतिक्रिया नहीं है। यह कोई परिपक्व मामला भी नहीं है और जैसा कि आप में से कई लोग पहले से ही जानते हैं, यह दूसरे पक्ष के बजाय भारतीयों (हमने नहीं खेलकर कड़ा रुख अपनाया) पर लक्षित है। चौंपियंस ट्रॉफी का बहिष्कार करने से पाकिस्तान के साथ हमारे मुद्दे हल नहीं होंगे। पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध एक अजीब गतिरोध पर पहुंच गए हैं, जहां हम पहले दो विकल्पों, बातचीत और मध्यस्थता का उपयोग करने के लिए तैयार नहीं हैं और दोनों पक्षों द्वारा एक चौथाई सदी पहले अपने परमाणु कार्यक्रमों को हथियार बनाने के बाद तीसरे विकल्प का उपयोग नहीं कर सकते हैं। क्या इस दौरान समस्या की प्रकृति बदल गई है? आइए आंकड़ों पर नजर डालते हैं। 2001 में, जो जम्मू और कश्मीर के इतिहास का सबसे हिंसक वर्ष था, कुल मौतें 4,000 से अधिक थीं, जिनमें 600 से अधिक सुरक्षा बल और 2,000 से अधिक आतंकवादी शामिल थे। एक साल के बाद, हिंसा में हर साल कमी आई और 2002 में 3,000 से कम मौतें हुईं, फिर 2003 में 2,000, फिर 2007 में 1,000 से कम। नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने से पहले पिछले चार वर्षों से, हर साल मौतें 200 से कम थीं। विशेष रूप से 2019 की घटनाओं और संविधान के अनुच्छेद 370 को खत्म करने के बाद से वे बढ़े हैं, लेकिन दो दशक पहले के स्तर तक नहीं। नियंत्रण रेखा पर बाड़ लगा दी गई है, और स्थानीय लोगों के लिए घुसपैठ करना और प्रशिक्षण प्राप्त करना मुश्किल हो गया है, जिन सुरक्षा अधिकारियों से मैंने अतीत में बात की है, उनके अनुसार। जो लोग लड़ते हैं और मरते हैं वे आमतौर पर स्थानीय लोग होते हैं।

सह सरकार्यवाह आलोक जी करेंगे अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह का उद्घाटन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह श्रीमान आलोक जी 24 नवम्बर को लखनऊ में अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह का उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम के संबंध में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह समिति अवध प्रान्त की ओर से शुक्रवार को विश्व संवाद केन्द्र जियामऊ में प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। प्रेसवार्ता को लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह समिति अवध प्रान्त के संयोजक श्री राजकिशोर जी और समिति के पालक अधिकारी प्रशान्त भाटिया ने संबोधित किया। समिति के संयोजक श्री राजकिशोर ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले सामान्य परिवार की बालिका से एक असाधारण शासनकर्ता तक की उनकी जीवनयात्रा आज भी प्रेरणा का महान स्रोत है। उन्होंने बद्रीनाथ से रामेश्वरम तक और द्वारिका से लेकर पुरी तक आक्रमणकारियों द्वारा क्षतिग्रस्त मंदिरों का उन्होंने पुनर्निर्माण करवाया। प्राचीन काल से चलती आयी और आक्रमण काल में खंडित हुई तीर्थयात्राओं में उनके कामों से नवीन चेतना आयी। इन बृहद कार्यों के कारण उन्हें 'पुण्यश्लोक' की उपाधि मिली। राजकिशोर ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर का लोक कल्याणकारी शासन भूमिहीन किसानों, भीलों जैसे जनजाति समूहों तथा विधवाओं के हितों की रक्षा करनेवाला एक आदर्श शासन था। उन्होंने सामाजिक समरसता के आधार पर शासन किया। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह समिति अवध प्रान्त के पालक अधिकारी श्री प्रशान्त भाटिया ने बताया कि अहिल्याबाई होलकर के जीवन व आदर्श की जानकारी नई पीढ़ी को हो सके इसलिए त्रिशताब्दी वर्ष समारोह का भव्य शुभारम्भ लखनऊ में सुनिश्चित हुआ है। समारोह का उद्घाटन 24 नवम्बर 2024 दिन रविवार को अपराह्न 03 बजे सीएमएस विद्यालय गोमतीनगर विस्तार,निकट शहीद पथ,लखनऊ में होगा।

प्रशान्त भाटिया ने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह श्री आलोक कुमार जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। विशिष्ट अतिथि लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह केन्द्रीय समिति की सचिव डा. माला ठाकुर व बावन मंदिर अयोध्या धाम के पीठाधीश्वर पूज्य महंत श्री बैदेही बल्लभ शरण जी महाराज की पावन उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूज्य लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के वंशज श्री उदय राजे होलकर जी करेंगे। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह समिति के सह संयोजक डा. बिपिन द्विवेदी ने बताया कि समिति अवध प्रान्त के सभी जिलों में वर्षभर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। 24 नवम्बर को सीएमएस विद्यालय में लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी।

समिति की ओर से प्रान्तभर में श्रेणी सह कार्यक्रमों की योजना बनी है। साधु संतों व धर्माचार्यों के बीच अयोध्या व नैमिषारण्य में बड़े कार्यक्रमों की योजना बनी है। इसके अलावा घाटों की सफाई,सेवा बस्ती में कार्यक्रम, किसानों के बीच कार्यक्रम, प्रबुद्ध नागरिक संगोष्ठी व विश्वविद्यालयों में संगोष्ठी होगी। महिलाओं व युवाओं को केन्द्रित कर कार्यक्रम किये जायेंगे व स्कूलों में प्रतियोगिताएं होंगी। अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी समारोह समिति की संह संयोजक गरिमा मिश्रा ने बताया कि 24 नवम्बर को अहिल्याबाई होलकर के जीवन पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी होगा। इसके अलावा अहिल्याबाई के जीवन पर आधारित एक लघु फिल्म दिखाई जायेगी। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नृत्य नाटिका की प्रस्तुति व युद्ध कौशल का प्रदर्शन बहनें करेंगे। वहीं कार्यक्रम में 300 बहनें अहिल्याबाई की वेशभाषा धारण करेंगी।

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के कोलकाता प्रतिनिधियों ने भारत के सूएज द्वारा संचालित भरवारा एसटीपी का किया दौरा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। वन सिटी वन ऑपरेटर (ओसीओपी) योजना के तहत, सूएज इंडिया ने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के कोलकाता से आए प्रतिनिधियों के लिए भरवारा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का दौरा आयोजित किया। इस दौरे का उद्देश्य भरवारा एसटीपी में उत्कृष्ट प्रबंधन और संचालन को प्रदर्शित करना था। इस प्रतिनिधिमंडल में श्री सुभीर नाग (सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर), श्री सुतिर्थ चटर्जी (सूडा), श्री बरुण हालदार (एक्जीक्यूटिव इंजीनियर, सूडा) और श्री सौति मजूमदार शामिल थे। यह प्रतिनिधिमंडल विश्व शौचालय दिवस पर राष्ट्रीय ज्ञान कार्यशाला में भाग लेने के लिए लखनऊ आया था। इस कार्यशाला का आयोजन स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के तहत किया गया, जिसमें सूएज द्वारा सुरक्षा उपकरणों और समन्वय प्रोटोकॉल का प्रदर्शन किया गया। दौरे के दौरान प्रतिनिधियों ने सूएज इंडिया की स्थायी जल–मल प्रबंधन के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की। श्री सुभीर नाग, सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर ने दौरे के बाद कहा "हम ओसीओपी परियोजना के तहत रखरखाव को देखकर बहुत खुश हैं। प्लांट के इनलेट पॉइंट से लेकर आउटलेट पॉइंट तक का दौरा करने के बाद यह स्पष्ट है कि सूएज इंडिया ने बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड को प्रभावी ढंग से कम करने और उच्च संचालन मानकों को बनाए रखने में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। हम पश्चिम बंगाल में भी इसी तरह की परियोजना को लागू और क्रियान्वित करना चाहते हैं। श्री सुतिर्थ चटर्जी, सूडा, ने भी प्लांट की दक्षता की सराहना कीरू "मैं यह देखकर बहुत खुश हूं कि प्लांट शुरुआत से अंत तक कितनी अच्छी तरह से संचालित और बनाए रखा गया है। ट्रीटमेंट प्रक्रिया के बाद पानी की गुणवत्ता को देखना वाकई प्रशंसनीय है और यह अन्य शहरों के लिए एक मानक स्थापित करता है। भरवारा एसटीपी, जो सूएज इंडिया द्वारा वन सिटी वन ऑपरेटर मॉडल के तहत संचालित है, शहरी बुनियादी ढांचे और सीवेज ट्रीटमेंट में उत्कृष्टता का एक आदर्श उदाहरण है। इस परियोजना ने लखनऊ में मल–जल की गुणवत्ता में सुधार और शहरी स्वच्छता चुनौतियों के समाधान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सूएज इंडिया की अभिनव प्रथाओं और उन्नत सुरक्षा एवं संचालन प्रोटोकॉल ने इस दौरे को और भी प्रभावशाली बना दिया, जो स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के उद्देश्यों के साथ पूरी तरह मेल खाता है।

संगम कला ग्रुप के ग्रैंड फिनाले में कानपुर सिविल लाइंस स्थित मर्चेंट चौंबर प्रेक्षागृह के मंच पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लब्ध प्रतिष्ठित गायिका डा. जया श्रीवास्तव का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लगातार चालीस वर्षों से सफलतापूर्वक संगीत जगत में बेहतरीन गतिविधियों को संचालित करने वाली संस्था संगम कला ग्रुप के कानपुर चौप्टर द्वारा आयोजित सुर तरंग कार्यक्रम के भव्य मंच पर शानदार गायन प्रतियोगिता सिविल लाइंस स्थित मर्चेंट चौंबर प्रेक्षागृह में संपन्न हुई। अनेक गणमान्य अतिथियों के द्वारा मंत्रोच्चारण एवं दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद कानपुर मंडल के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए बेहतरीन कलाकारों ने अपनी प्रतिभा प्रदर्शन करके सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल हुईं लखनऊ निवासी सुप्रसिद्ध गायिका डॉ जया श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाते हुए शुभकामनाएं दीं तथा मुख्य आयोजक कानपुर मंडल प्रमुख संतू श्रीवास्तव, ध्रुपद गायक विनोद द्विवेदी,अध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव,समाजसेवी इंद्रमोहन रोहतगी ,सचिव संध्या श्रीवास्तव,सह सचिव संजय अवस्थी, कार्यक्रम संयोजक वंदना निगम आदि समेत सभी आयोजन समिति को साधुवाद दिया। आयोजन समिति के सभी प्रमुख पदाधिकारियों ने आमंत्रित अतिथियों सहित डॉ जया श्रीवास्तव को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह आदि भेंट कर सम्मानित किया।

सरेराह छात्र का अपहरण, बाइक से आए थे बदमाश

देवरिया, संवाददाता। राजकीय इंटर कॉलेज से पढ़कर कर घर के लिए निकले एक छात्र का दो अपाची सवार बदमाशों ने अपहरण कर लिया। अपहरणकर्ताओं ने खुद को पुलिस बताकर उसे बाइक पर बैठकर चलते बने। घटना बुधवार की दोपहर करीब तीन बजे की है। देर शाम होने पर परिजन खोज में जुटे तो उन्हें बाइक पर बैठाकर ले जाने की सूचना मिली।

परीक्षा केंद्र के चयन में आयोग के द्वारा दिए गए निर्देशों का शत–प्रतिशत पालन किया जाए – डीएम

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉक्टर दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में परिषदीय परीक्षा 2025 की तैयारी के संबंध में बैठक संपन्न हुई। परीक्षा के सन्दर्भ में की गई तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी के द्वारा निर्देशित किया गया कि परीक्षा केंद्र के चयन में आयोग के द्वारा दिए गए निर्देशों का शत–प्रतिशत पालन किया जाए।

उन्होंने जिला विद्यालय परीक्षा को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्र मानक के अनुरूप ही बनाए जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा के संबंध में सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण कर ले ताकि जनपद में पारदर्शी, नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराई जा सके। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सौरभ कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल, सहित अन्य संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

लापरवाही ने मासूम की जान, रेलवे के गड्ढे में डूबा किशोर, गांव में कोहराम

आजमगढ, संवाददाता। अंबारी फूलपुर कोतवाली क्षेत्र में रेलवे द्वारा खोदे गए गड्ढे में बुधवार को डूबने से एक बालक की मौत हो गई। इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस हादसे में परिवार में मातम छाया हुआ है। फूलपुर कोतवाली के अंबारी के शाहपुर गांव निवासी प्रतीक (10) पुत्र सुरेश कुमार रेलवे द्वारा खोदे गए गड्ढे में बुधवार को सिंघाड़ा निकालने की लालच में गया था। जिससे वह गहरे पानी में चला गया। जहां उसकी डूबने से मौत हो गई। बृहस्पतिवार की सुबह पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के चाचा मनोज कुमार का कहना है इसी वर्ष रेलवे विस्तारीकरण के दौरान रेलवे विभाग द्वारा रेलवे के किनारे गहरा गड्ढा खोद दिया गया था। गहरा गड्ढा खोदे जाने का गांव वालों ने विरोध किया था। वहीं गांव के किसी व्यक्ति ने गड्ढे में सिंघाड़ा डाल दिया था। इसी सिंघाड़ा की लालच में प्रतीक सिंघाड़ा निकालने चला गया था। मृतक दो भाई और दो बहनों में सबसे छोटा था। मृतक के पिता सुरेश कुमार विदेश रहकर मजदूरी करते है।

एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं से पुलिस का झड़प, धक्का–मुक्की– हिरासत

गोरखपुर, संवाददाता। डीडीयू में एबीवीपी के कार्यक्रम को देखते हुए शिक्षण कार्य बाधित करने पर विश्वविद्यालय प्रदर्शन करने बृहस्पतिवार को पहुंच रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं से पुलिस की झड़प हो गई। सीओ कैंट योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में पहुंची पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए एनएसयूआई के कार्यकर्ता योगेश प्रताप सिंह और आलोक सिंह को हिरासत में ले लिया। पुलिस उनको कैंट थाने उठा ले गई। विश्वविद्यालय के सामने एहतियातन पूरे दिन पुलिस बल तैनात रही। उनका विरोध छात्र संगठन के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर को निजी कार्यक्रम के तौर पर प्रयोग किया जा रहा है, ये है। इससे पढ़ाई बाधित होगी। एनएसयूआई ने कार्यक्रम के पहले आंदोलन की धमकी दी है। बृहस्पतिवार की शाम से कार्यक्रम की शुरुआत होनी है। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि बृहस्पतिवार सुबह पुलिस अलग–अलग इलाकों से कार्यकर्ताओं को उनके घर से उठाकर अपने साथ थाने लेते आई है। आदित्य शुक्ला ने आरोप लगाया कि पुलिस सुबह बिना सूचना के घर पर आ गई और सोते समय उन्हें जबरन उठा कर अपने साथ लेते आई।

माफी मांगने के बाद समझौता, थाने में मिले गले, भूले गिले–शिकवे

बस्ती, संवाददाता। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर डीके गुप्ता से उनके पूर्व सहयोगी के बीच चल रहे विवाद का बृहस्पतिवार को पटाक्षेप हो गया। आरोपी ने कोतवाली में अपनी गलती कबूल करते हुए माफी मांगा। जिसके बाद दोनों पक्षों ने गले मिलकर गिले–शिकवे दूर किए। इस मामले को लेकर बुधवार को दिन भर सरगर्मी बनी रही। दोनों पक्ष देर रात तक कोतवाली में डटे रहे। पुलिस इसे लेनदेन का विवाद बताकर कार्रवाई करने से पहले जांच करने की बात कर रही है। जबकि दोनों पक्ष एक दूसरे के खिलाफ केस दर्ज कराने पर आमादा थे। मंगलवार को पटेल चौक के पास हॉस्पिटल चलाने वाले हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. डीके गुप्ता ने पुलिस को तहरीर दिया था कि टोल प्लाजा के पास उन्हें रोककर चाकू दिखाकर 15 लाख रुपये की मांग की गई। उनके हॉस्पिटल के स्टाफ और पत्नी तक को अपशब्द कहते हुए धमकी दी गई। वहीं दूसरे पक्ष ने भी डॉक्टर पर काम करवाकर रुपये हड़पने और झूठा इल्जाम लगाने सहित अन्य आरोप लगाए थे।

पीडीडीयू जंक्शन पर 50 लाख के जेवरात बरामद

चंदौली, संवाददाता। जीआरपी ने गुरुवार को लगभग 49 किलो चांदी के जेवरात के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है। चारों जेवरात बनारस से बिहार ले जा रहे थे। बरामद गहनों का मूल्य 50 लाख रुपये हैं। जीआरपी पीडीडीयू कोतवाली में शाम सीओ कुंवर प्रभात सिंह ने जानकारी दी। सीओ ने बताया कि जीआरपी प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह दल बल के साथ अपराधियों की धड़ पकड़ के लिए गस्त कर रहे थे। इसी बीच फुटओवर ब्रिज पर प्लेटफार्म संख्या एक और दो के पास चार संदिग्ध व्यक्ति दिखे। उनके पिट्ठू बैग की तलाशी लेने पर उसमें चांदी के जेवरात मिले। चारों जेवरात से संबंधित कोई कागजात नहीं दिखा सके। कोतवाली लाकर तौल करने पर 48. 856 किलो चांदी के जेवरात मिले।

चारों ने अपना नाम क्रमशः विकास कुमार सोनी निवासी मों हयात खान की गली, वार्ड नं. 32 थाना डुमरांव बक्सर (बिहार), सन्नी निवासी वार्ड नं. 13, राम रेखा घाट, बक्सर (बिहार), गोल्डेन वर्मा निवासी नई चौक बक्सर (बिहार) और सरोज कुमार निवासी वार्ड नं. 25 जमुना चौक बक्सर (बिहार) वर्तमान पता सुखरौली पीरो भोजपुर बताया। इसकी जानकारी आयकर विभाग वाराणसी को भी दी गई। आयकर विभाग की टीम बरामद जेवरात और आरोपियों को अपने साथ ले गई। आगे की कार्रवाई आयकर विभाग की टीम करेगी। सीओ ने बताया कि बरामद चांदी के आभूषण का मूल्य 50 लाख रुपये हैं।

एसएसपी ने मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान में सराहनीय कार्य करने समाज सेवी व पुलिस कर्मियों को किया सम्मानित

अयोध्या। पिछले माह 3 अक्टूबर 2024 से प्रारंभ होकर अनवरत तीन माह तक चलने वाले मिशन शक्ति फेज 5. 0 के तहत महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा के प्रति बैनर,पोस्टर आदि के माध्यम से जागरूक करने के लिए एक अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में सराहनीय भूमिका निभाने वाली पुलिस कर्मियों के साथ–साथ समाजसेवी संस्था से जुड़े महिलाओं व पुलिस कर्मियों को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करन नैय्यर ने गुरुवार को अपने कार्यालय पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा उन्होंने समाज सेवा में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने वाली भारती सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।उन्होंने महिला उप निरीक्षक जागृति मौर्य,आरुषि पटेल तथा कविता मिश्रा को भी उन्होंने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।बताते चले कि उन्हें यह सम्मान ष्नारी सुरक्षा सम्मान, नारी स्वालंबन , एवं महिलाओं व बालिकाओं ,के विरुद्ध अपराध ,हिंसा ,पास्को एक्ट , के हेतु जनपद में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में मिशन(शक्ति योद्धा)के रूप में कार्य करने के लिये सम्मानित किया गया।इस मौके पर मिशन शक्ति फेस 5–0 के नोडल अधिकारी बलवंत चौधरी सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

डीएम ने कम्पोजिट विद्यालय पंचहटिया का औचक किया निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा कम्पोजिट विद्यालय पंचहटिया का औचक

निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बच्चो से संवाद करते हुए उन्होने मध्यान्ह भोजन के तहत मिलने वाले खाने के सम्बन्ध में जानकारी ली और निर्देशित किया कि बच्चों को पौष्टिक भोजन दिया जाए। विद्यालय में साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके साथ ही नैट परीक्षा में अधिक से अधिक बच्चों उपस्थिति सुनिश्चित कराने और बेहतर ढंग से कार्य क परीक्षा को सम्पन्न कराने के निर्देश बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल को दिये। इस दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि कि आयोग की तरफ से 23, 24 नवंबर को विशेष अभियान की तिथि निर्धारित की गई है। इस तिथि पर सभी बूथ लेवल अधिकारी अपने–अपने मतदेय स्थलों पर सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक उपलब्ध रहेंगे। उन्होने बी.एलओं को निर्देश दिया कि अधिक से अधिक संख्या में नये मतदाताओं को वोटर कार्ड बनाया जाए। इसके साथ ही उन्होने जनपदवासियों से अपील की है कि इन विशेष तिथियां को समस्त जनपदवासी अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज करा लें। महिला मतदाताओं से विशेष अपील की है जो एक जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रही हैं। इसके अलावा जिन महिला मतदाताओं ने 18 वर्ष पूर्ण कर ली हैं, उनका नाम मतदाता सूची में सम्मिलित नहीं हैं उन्हे अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज करने की अपील की है।

शौचालय में महिला को हुआ प्रसव, परिजनों ने डा. पर लगाया लापरवाही का आरोप

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रदेश की योगी सरकार गरीबों मजलूमों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं का पिटारा खुला रखा है तो वहीं दूसरी तरफ स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी डॉक्टर उसमें पालिदा लगाने में जुटे हुए हैं। आए दिन प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक द्वारा अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया जाता है और संबंधित को आवश्यक निर्देश भी दिया जाता है बावजूद इसके कोई फर्क नहीं पड़ रहा है और वह गरीब मरीजों का शोषण करने से बाज नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला जनपद के अमर शहीद उमानाथ सिंह महिला जिला चिकित्सालय का है जहां गुरुवार की देर रात जिला अस्पताल के बाहर बने शौचालय में तैनात सफाई कर्मचारी अपनी पत्नी को लेकर प्रसव पीड़ा होने पर महिला अस्पताल गया तो उसे डॉक्टरों ने यह कहकर बाहर का रास्ता दिखा दिया कि पहले ब्लड लेकर आओ। महिला मरीज प्रसव पीड़ा से तड़पती रही और उसका पति लेकर उसे शौचालय आ गया जहां कुछ देर बाद ही उसने शौचालय में बच्चों को जन्म दे दिया। पीढ़ी द्वारा डॉक्टर के संज्ञान में देने के बाद भी बच्चों की नाल नहीं काटी गई मामला जब मीडिया की सुर्खियों में बना तो में उसे शौचालय से लाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। वही महिला के पति सतीश गौतम ने बताया कि अपनी पत्नी गुड़िया को लेकर डॉक्टर के पास गया था जहां डॉक्टर। आर के गुप्ता ने उसे ब्लड लाने को कहा कर बाहर का रास्ता दिखा दिया महिला लगभग 4 घंटे तक शौचालय में प्रसव के बाद तड़पती रही लेकिन कोई चिकित्सक कोई नर्स उसकी सुध लेने नहीं पहुंचा। पीड़ित ने बताया कि मामले की जानकारी मीडिया में चलने के बाद पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसका इलाज चल रहा है। वही इस मामले में है मुख्य चिकित्सा अधीक्षक महेंद्र कुमार गुप्ता का कहना है कि पीड़ित महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था उसके चार बच्चे पहले से हैं वह बार–बार बिना बताए अस्पताल से निकलकर चली गई थी महिला पहले से यहां भर्ती थी जानकारी होने पर महिला को लाकर अस्पताल में एडमिट कराया गया है जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

शीतलहर/ठंड से बचाव के लिए जिला आपदा प्रबन्ध प्राधिकरण ने जारी की एडवाइजरी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) अपर जिलाधिकारी/प्रभारी अधिकारी दैवीय आपदा प्रियंका सिंह ने बताया

कि लोगों को शीतलहरध्ठंड से बचाव हेतु हेतु जिला आपदा प्रबन्ध प्राधिकरण द्वारा बताया गया है कि शीतलहर/ठंड से बचने के लिए क्या करेंय क्या न करें। उन्होंने बताया कि इसके लिए स्थानीय रेडियो सुने, समाचार पत्र पढ़ें, टी०वी० एवं मोबाइल फोन के माध्यम से मौसम की जानकारी लेते रहें, दिये गये सलाह के अनुसार कार्य करें। स्वेटर, टोपी, मफलर, कम्बल, गर्म कपड़े जैसे ऊनी कपड़े इत्यादि का प्रयोग करें, आवश्यकतानुसार अलाव जलायें जिससे ठंड से बचा जा सके। आपातकालीन आपूर्ति तैयार रखें। शरीर में ऊष्मा प्रवाह को बनाये रखने के लिए निरन्तर गर्म पेय पदार्थों का सेवन करते रहें। ठंड में जहां तक हो सके घर में ही रहें, खुले वाहन तथा ज्यादा दूरी वाली यात्रा करने से बचें। अपने आपको सूखा रखें, फिटिंग वाले ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें। शरीर के तापमान का संतुलन बनाये रखें। उचित भोजन, विटामिन–सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं। अत्यधिक ठंड/कोहरा पड़ने पर बुजुर्ग लोगों तथा बच्चों का ध्यान रखें, अकेले रहने वाले पड़ोसियों की जांच करें। हाइपोथर्मिया के लक्षणों पर नजर रखें जैसे असामान्य शरीर का तापमान, बेहोशी, असीमित ठिठुरन, थकान, तुतलाना इत्यादि जैसी स्थिति उत्पन्न होने पर नजदीकी अस्पताल में सम्पर्क करें। शीतदंश के लक्षणों पर नजर रखें जैसे–शरीर के अंगों का सुन्न पड़ना, हाथों व पैरों की उंगलियों, नाक, कान आदि पर सफेद या पीले दाग उभर आने पर अपने नजदीकी अस्पताल में सम्पर्क करें। अपने सिर, गर्दन, हाथ और पैर की उंगलियों को पर्याप्त रूप से ढकें। ठंड में फर्स तथा हरे घास पर नंगे पैर न चलें। कोयले की अंगीठी/हीटर का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें तथा कमरे में शुद्ध हवा का आवागमनध्वायु संचार बनाये रखें ताकि कमरे में विषाक्त/जहरीला धुआं एकत्र न हो। रात्रि में सोते समय बन्द कमरे में हीटर/अंगीठी का प्रयोग कदापि न करें। बन्द कमरे में हीटर/अंगीठी के प्रयोग से ऑक्सीजन स्तर घट जाता है जिसके कारण दम घुटने की सम्भावना बन सकती है। कोहरे में वाहन चलाते समय सावधानी बरतें, फॉग लाइट जलायें रखें, वाहन पर रेडियम स्टीकर लगायें।

सीएम योगी ने उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को दी बधाई

लखनऊ, संवाददाता। यूपी में पुलिस भर्ती परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी है। उन्होंने कहा कि एक्स पर बयान जारी कर कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से आयोजित यूपी पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस के 60,244 पदों पर सीधी भर्ती–2023 की लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई!

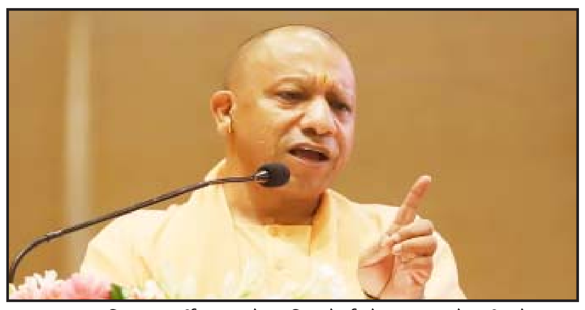

आप सभी परीक्षा के आगामी चरणों की तैयारी पूर्ण तत्परता के साथ करेंगे, इस विश्वास के साथ मेरी मंगलकामनाएं! उन्होंने आगे कहा कि पूर्ण शुचिता और पारदर्शिता के साथ संपन्न उत्तर प्रदेश के इतिहास की सबसे बड़ी सिपाही भर्ती परीक्षा के परिणाम आज घोषित हुए हैं। आरक्षण नीति का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए उ.प्र. पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने प्राप्तांकों की श्रेष्ठता के आधार पर निर्धारित पदों के सापेक्ष लगभग ढाई गुना अधिक यानी कुल 1,74,316 अभ्यर्थियों को अगले चरण के लिए अर्ह घोषित किया है। सफलतापूर्वक परीक्षा को संपन्न कराने हेतु बोर्ड के पदाधिकारियों को बधाई एवं अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं! परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग करने के साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भी मदद ली गई। नकल माफिया और सॉल्वर गैंग को पूरी तरह विफल करते हुए मल्टी–लेयर पैकेजिंग और गोपनीय चिह्नों से प्रश्न–पत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई। सख्त व्यवस्था और पारदर्शी प्रबंधन से नया उत्तर प्रदेश निष्पक्षता और ईमानदारी के नित नए मानक स्थापित कर रहा है।

भाजपा 'हेराफेरी' के जरिए चुनाव जीतने के लिए प्रशासन पर दबाव बना रही - अखिलेश

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया गया कि वह उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव "हेराफेरी के जरिए" जीतने के लिए प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में "अनियमितताओं" के बारे में निर्वाचन आयोग से शिकायत की है।

राज्य में नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान हो रहा है। हमने करहल, सीसामऊ, मीरापुर, कुंदरकी और फूलपुर, मझवां सहित विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में अनियमितताओं के बारे में शिकायतें दर्ज कराई हैं। इसके बावजूद ऐसा लगता है कि निर्वाचन आयोग (ईसी) इन पर आंखें मूंदे हुए है। ऐसा प्रतीत होता है आयोग की संवेदनाएं अब काम नहीं कर रही हैं।" यादव ने आरोप लगाया, "भाजपा इन उपचुनावों को वोट के जरिए नहीं, जोड़–तोड़ के जरिए जीतना चाहती है।" उन्होंने आरोप लगाया कि हार के डर से भाजपा प्रशासन पर अनुचित तरीके से काम करने का दबाव बना रही है।

उन्होंने कहा, "मैं अपने मतदाताओं से अपील करता हूं कि वे मतदान केंद्रों पर जाएं, सिर्फ एक बार नहीं बल्कि कई बार और तब तक वहीं रहें जब तक वे अपना वोट न डाल दें। यह हमें दिया गया अधिकार है और हर किसी को इसका इस्तेमाल करना चाहिए।" उन्होंने सपा की पिछली शिकायतों के जवाब में जारी निर्वाचन आयोग के निर्देशों का भी हवाला दिया और कहा, "आयोग (निर्वाचन आयोग) ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया था कि पुलिस किसी को नहीं रोक सकती, तलाशी नहीं ले सकती या पहचान पत्र नहीं देख सकती। इसके बावजूद, भाजपा बेईमानी का सहारा ले रही है क्योंकि उन्हें पता है कि वे जनता का समर्थन खो रहे हैं।" उन्होंने दावा किया, "उनके अपने ही कई लोग विरोध कर रहे हैं। उनके मतदाताओं का उनसे मोह भंग हो रहा है।

आजम खां से एक घंटे तक फांसीघर में मिले सांसद चंद्रशेखर

लखनऊ, संवाददाता। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने सीतापुर जिला कारागार में सजायाफ्ता सपा नेता आजम खां से एक घण्टे से अधिक समय तक मुलाकात की। वह करीब 10 बजकर 10 मिनट पर जिला कारागार के अंदर गए और करीब एक घण्टे 10 मिनट बाद बाहर आये। उन्होंने आजम खां से उनके स्वास्थ्य व अन्य विषयों पर बात की। इस दौरान जिला कारागार के बाहर उनके समर्थकों की भीड़ लगी रही। जिला कारागार से बाहर आने पर उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद दो बार आजम खां से मिलने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हुए। आज प्रयास किया तो सफल हो गया। काफी लंबी बात हुई। मेरा उनका राजनीति से अलग एक करीबी पारिवारिक रिश्ता है। मैं उनके मामलों को भी देख रहा हूं। जिस तरह से बकरी चोरी कराने में दस साल की सजा हुई। छोटे छोटे मामलों में बड़ी–बड़ी सजा हुई। जिस जज ने निर्दोष करार दिया उनका ट्रांसफर हो गया। सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि कहा कि मैं उनसे फांसी घर मे मिला। मेरा यह विश्वास है कि यह परेशानी के बादल जल्द छट जाएंगे। अगर मुझे किसी राजनीतिक नफा नुकसान की चिंता होती तो चुनाव से पहले आता। कहीं न कहीं चुनाव में बड़ा परिवर्तन हो जाता लेकिन मैं इसलिए चुनाव के बाद आया हूं कि ये मेरा रिश्ता पारिवारिक रिश्ता है। जब मेरे ऊपर गोली चली तो बीमारी के बावजूद वो मेरे पास आये और साथ दिया।

होटल में युवक ने की आत्महत्या, प्रेमिका मिली बेसुध

लखनऊ, संवाददाता। पारा इलाके के होटल में युवक ने पंखे में दुपट्टे के सहारे लटक कर जान दे दी, जबकि प्रेमिका बेसुध हालत में मिली। पुलिस ने उसको अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। पुलिस युवती से पूछताछ कर रही है। युवक के परिजनों ने युवती पर ब्लैकमेलिंग व हत्या करने का आरोप लगाया है। युवक की चार दिसंबर को शादी होनी थी। पारा के डॉक्टर खेड़ा निवासी निजी पैथोलॉजी कर्मी अभिषेक वर्मा (25) बुधवार को शादी के लिए बैंड बुक करने की बात कहकर निकले थे। देर रात उनके नहीं लौटने पर परिजनों ने कॉल की तो उनका फोन बंद था। परिजनों व दोस्तों ने उनको तलाशना शुरू किया। बृहस्पतिवार तड़के दोस्तों ने अभिषेक की बाइक पारा के पूर्वीदीन खेड़ा स्थित होटल मिस्टर क्राउन इन दू इन के सामने खड़ी देखी। होटल में पूछताछ की तो पता चला कि अभिषेक महिला मित्र के साथ कमरा नंबर बी–1 में रुके हैं। कमरे का दरवाजा खटखटाने पर जवाब नहीं मिलने पर मास्टर की से दरवाजा खोला गया। अभिषेक का शव पंखे के सहारे दुपट्टे से लटका हुआ था। महिला मित्र बेसुध हालत में बेड पर पड़ी थी। पुलिस का कहना है कि युवती ने नींद की गोलियां खाकर जान देने का प्रयास किया था। परिजन भी मौके पर पहुंच गए और हत्या का आरोप लगाने लगे। पुलिस ने कार्रवाई का भरोसा देते हुए शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सीसीटीवी कैमरे में साथ जाते दिखे दोनों

इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया कि प्रेमिका ने बुधवार दोपहर अभिषेक को मिलने के लिए बुलाया था। अभिषेक उसको अवध चौराहे से बाइक में बिठाकर होटल लाया था। वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में दोनों कमरे में दोपहर 2ः30 जाते दिखे। दस मिनट बाद अभिषेक अकेले ही बाहर निकले और फिर कमरे में चले गए। इसके बाद देर रात तक कमरे से कोई नहीं निकला।

पुलिस का दावा, घर से नींद की गोलियां खाकर आई थी युवती

इंस्पेक्टर के मुताबिक पूछताछ में युवती ने बताया कि अभिषेक की शादी तय होने से वह काफी परेशान चल रही थी। आखिरी बार मिलने के लिए अभिषेक को बुलाया था। वह घर से नींद की गोलियां खाकर निकली थी। ये बात उसने अभिषेक को कमरे में बताई थी। पूछने पर कहा था कि वह उससे अलग और उसे दूसरे का होते हुए कैसे देख सकती है। इसके बाद वह बेहोश हो गई। उसे मृत समझकर अभिषेक ने डर के चलते आत्महत्या कर ली।

चार दिसंबर को होनी थी अभिषेक की शादी

मृतक के चाचा मनोज ने बताया कि अभिषेक के पिता अधिवक्ता अरविंद की काफी साल पहले मौत हो गई थी। कोरोना के चलते उनकी मां कंचन प्रभा की भी मौत हो गई थी।

घर में अभिषेक दो बहनें नेहा व स्वाति हैं। नेहा की शादी हो चुकी है। अभिषेक की चार दिसंबर और स्वाति की 12 फरवरी को शादी होनी थी। मनोज का आरोप है कि अभिषेक के रूम में मिली युवती उसको ब्लैकमेल कर रही थी। उसी के चलते अभिषेक ने जान दे दी।

पिता के बिजनेस पार्टनर ने की थी किशोरी की दरिंदगी के बाद हत्या

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के गोसाईंगंज इलाके में तीन दिन पहले हुई किशोरी की हत्या का पुलिस ने राजफाश किया है। किशोरी की हत्या उसके पिता के बिजनेस पार्टनर ने दुष्कर्म के बाद की थी। वह किशोरी से शादी करना चाहता था। उसके इन्कार करने पर गमछे से गला कसकर उसकी जान ले ली थी। डीसीपी साउथ केशव कुमार के मुताबिक, सोमवार सुबह किशोरी का शव गांव के बाहर इंदिरा नहर के मिला था। पुलिस ने सर्विलांस की मदद से छानबीन की तो पता चला कि कटरा, सुशांत गोल्फ सिटी निवासी मो. अजीज, किशोरी के संपर्क में था। अजीज, किशोरी के पिता के साथ दुधारू पशुओं की खरीद–फरोख्त का काम करता था। इससे उसका किशोरी के घर आना–जाना था। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि किशोरी से उसके पिता के फोन से अक्सर बात होती थी। दोनों में प्रेम प्रसंग था। आरोपी ने रविवार रात 11 बजे किशोरी को मिलने बुलाया था। यहां शादी का प्रस्ताव रखा व भागकर मुंबई चलने के लिए कहा। किशोरी के इन्कार करने पर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया और गला कसकर हत्या कर दी।

प्रशिक्षु पीपीएस ऋषभ यादव के मुताबिक सर्विलांस की मदद से पुलिस को अहम सुराग मिले। आरोपी को जेल भेज दिया गया है। इंस्पेक्टर ब्रजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक पूछताछ में अजीज ने बताया कि छह माह पहले वह किशोरी के संपर्क में आया था। आरोपी की पत्नी मानसिक रूप से बीमार है, जिसका इलाज चल रहा है। आरोपी के दो बच्चे भी हैं। आरोपी ने बताया कि पहले किशोरी भी उससे शादी करने के लिए तैयार थी। हालांकि, एक माह से वह उससे ठीक से बात नहीं कर रही थी। अजीज को संदेह था कि किशोरी किसी और से बात कर रही है। आरोपी ने व्हाट्सएप कॉल कर किशोरी को रविवार रात में इंदिरा नहर पर मिलने बुलाया था। आरोपी व किशोरी के पिता के फोन पर हर रोज से 20 से अधिक बार बात होती थी।

पुलिस ने किशोरी के पिता से जब इस बारे में पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि दिन में करीब चार से पांच बार उनकी अजीज से बात होती थी। इसके बाद पुलिस का संदेह गहरा गया। छानबीन के दौरान ग्रामीण ने रविवार देर रात में अजीज को बाइक से जाते देखा था। पुलिस ने अजीज को हिरासत में लेकर उसका फोन चेक किया गया तो उसमें किशोरी की कई अश्लील तस्वीरें मिलीं। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

सॉल्वर बैठाकर युवती समेत चार बने दरोगा, आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लखनऊ, संवाददाता। पुलिस भर्ती परीक्षा में सॉल्वर बिठाकर महिला समेत चार दरोगा बन गए। पुलिस भर्ती बोर्ड की उच्च स्तरीय समिति ने मामले की जांच की तो इसका खुलासा हुआ। पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड में तैनात इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार ने हुसैनगंज थाने में चारों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की ओर से उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस तथा पुरुषों के लिए प्लाटून कमांडर, पीएसी एवं अग्निशमन द्वितीय अधिकारी के पदों पर सीधी भर्ती 2020–21 की ऑनलाइन लिखित परीक्षा आयोजित कराई गई थी। आरोप है कि मंटी बासी अलीगढ़ निवासी अभ्यर्थी गौरव कुमार ने भर्ती परीक्षा में 13 नवंबर 2021 को प्रतिभाग किया। गौरव का परीक्षा केंद्र कॉस्मो फाउंडेशन जानकीपुरम विस्तार में था। गौरव का उपनिरीक्षक के पद पर चयन होने के बाद प्रशिक्षण पर भेज दिया गया। इस बीच भर्ती परीक्षा को लेकर उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका संदीप परिहार व 28 अन्य बनाम यूपी राज्य व अन्य दाखिल की गई। उच्च न्यायालय, लखनऊ खंडपीठ के निर्देशानुसार भर्ती बोर्ड स्तर पर उच्चस्तरीय समिति गठित कर जांच शुरू की गई।

परीक्षा के समय लिए गए बॉयोमीट्रिक भिन्न मिले

जांच के दौरान गौरव कुमार के बोर्ड स्तर और ऑनलाइन लिखित परीक्षा के समय लिए गए बॉयोमीट्रिक भिन्न मिले। पता चला कि दरोगा का प्रशिक्षण कर रहे गौरव ने ऑनलाइन लिखित परीक्षा में खुद प्रतिभाग नहीं लिया था। अपनी जगह सॉल्वर को बिठाया था। इसी तरह फफोटू एटा निवासी मालती की हाथरस रोड आगरा स्थित परीक्षा केंद्र एसपीएस इंफोटेक श्री प्रताप सिंह महाविद्यालय में 17 नवंबर 2021 को ऑनलाइन परीक्षा थी। हालांकि, मालती ने भी अपनी जगह सॉल्वर बिठाया था। इसके अलावा मचकौली बुलंदशहर निवासी निर्भय सिंह जादौन की 20 नवंबर 2021 को सिकंदरा, आगरा में यश इंफोटेक ऑनलाइन परीक्षा केंद्र में ऑनलाइन परीक्षा थी।

सॉल्यूशन कुर्सी रोड पर परीक्षा में बैठना

निर्भय ने भी अपनी जगह सॉल्वर बिठाया था। वहीं, शांति कुंज रोहता रोड, मेरठ निवासी अभ्यर्थी रोहित कुमार भी जांच में सॉल्वर बिठाकर परीक्षा दिलाने के आरोपी पाए गए। रोहित को 27 नवंबर 2021 को छात्रशक्ति इंफो सॉल्यूशन कुर्सी रोड पर परीक्षा में बैठना था।

डोली की जगह उठी अर्थी, होटल के कमरे में मिली लाश

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में पारा इलाके के होटल में युवक ने पंखे में दुपट्टे के सहारे लटक कर जान दे दी। जबकि, प्रेमिका बेसुध हालत में मिली। पुलिस ने उसको अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। पुलिस युवती से पूछताछ कर रही है। युवक के परिजनों ने युवती पर ब्लैकमेलिंग व हत्या करने का आरोप लगाया है। युवक की चार दिसंबर को शादी होनी थी। पारा के डॉक्टर खेड़ा निवासी निजी पैथोलॉजी कर्मी अभिषेक वर्मा (25) बुधवार को शादी के लिए बैंड बुक करने की बात कहकर निकले थे। देर रात उनके नहीं लौटने पर परिजनों ने कॉल की तो उनका फोन बंद था। परिजनों व दोस्तों ने उनको तलाशना शुरू किया। बृहस्पतिवार तड़के दोस्तों ने अभिषेक की बाइक पारा के पूर्वीदीन खेड़ा स्थित होटल मिस्टर क्राउन इन दू इन के सामने खड़ी देखी। होटल में पूछताछ की तो पता चला कि अभिषेक महिला मित्र के साथ कमरा नंबर बी–1 में रुके हैं। कमरे का दरवाजा खटखटाने पर जवाब नहीं मिलने पर मास्टर की से दरवाजा खोला गया। अभिषेक का शव पंखे के सहारे दुपट्टे से लटका हुआ था। महिला मित्र बेसुध हालत में बेड पर पड़ी थी। पुलिस का कहना है कि युवती ने नींद की गोलियां खाकर जान देने का प्रयास किया था। परिजन भी मौके पर पहुंच गए और हत्या का आरोप लगाने लगे। पुलिस ने कार्रवाई का भरोसा देते हुए शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सीसीटीवी कैमरे में साथ जाते दिखे दोनों

इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया कि प्रेमिका ने बुधवार दोपहर अभिषेक को मिलने के लिए बुलाया था। अभिषेक उसको अवध चौराहे से बाइक में बिठाकर होटल लाया था। वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में दोनों कमरे में दोपहर 2:30 जाते दिखे। दस मिनट बाद अभिषेक अकेले ही बाहर निकले और फिर कमरे में चले गए। इसके बाद देर रात तक कमरे से कोई नहीं निकला।

घर से नींद की गोलियां खाकर आई थी युवती

इंस्पेक्टर के मुताबिक पूछताछ में युवती ने बताया कि अभिषेक की शादी तय होने से वह काफी परेशान चल रही थी। आखिरी बार मिलने के लिए अभिषेक को बुलाया था। वह घर से नींद की गोलियां खाकर निकली थी। ये बात उसने अभिषेक को कमरे में बताई थी। पूछने पर कहा था कि वह उससे अलग और उसे दूसरे का होते हुए कैसे देख सकती है। इसके बाद वह बेहोश हो गई। उसे मृत समझकर अभिषेक ने डर के चलते आत्महत्या कर ली। मृतक के चाचा मनोज ने बताया कि अभिषेक के पिता अधिवक्ता अरविंद की काफी साल पहले मौत हो गई थी। कोरोना के चलते उनकी मां कंचन प्रभा की भी मौत हो गई थी। घर में अभिषेक दो बहनें नेहा व स्वाति हैं। नेहा की शादी हो चुकी है। अभिषेक की चार दिसंबर और स्वाति की 12 फरवरी को शादी होनी थी। मनोज का आरोप है कि अभिषेक के रूम में मिली युवती उसको ब्लैकमेल कर रही थी। उसी के चलते अभिषेक ने जान दे दी।

बीसीए छात्र हॉस्टल से लापता, अपहरण की आशंका जताई

लखनऊ, संवाददाता। बीबीडी इलाके में रहने वाला बीसीए का छात्र नौ अक्तूबर को हॉस्टल से लापता हो गया। कारोबारी पिता ने बेटे के अपहरण की आशंका जताते हुए बीबीडी थाने में मंगलवार को केस दर्ज कराया है।

हरदोई के सांडी नवाबगंज निवासी हार्डवेयर कारोबारी अनूप गुप्ता के बेटे उमंग बाथम (20) रामस्वरूप कॉलेज में बीसीए प्रथम वर्ष के छात्र हैं। बेटा उमंग कॉलेज के पास ही बने सीबी नाम के प्राइवेट हॉस्टल में कमरा नंबर 407 में रहता था। चार अक्तूबर को वह घर से हॉस्टल आया और नौ अक्तूबर को कमरे में ताला लगाकर कहीं चला गया। कॉल करने पर उसका फोन नहीं उठा। जानकारी लेने पर हॉस्टल वार्डन ने बताया कि उमंग के कमरे में ताला लगा है और वह लापता है।

कारोबारी ने बताया कि वह हॉस्टल पहुंचे। बेटे के कमरे का ताला तोड़ा गया तो मोबाइल फोन, रुपये और कपड़े मिले। उमंग को तलाशना शुरू किया, पर कुछ पता नहीं चल सका। मंगलवार को बेटे के अपहरण की आशंका जताते हुए बीबीडी थाने में केस दर्ज कराया है। लापता छात्र के परिवार में पिता, मां, बड़ा भाई और बहन है।

सीसीटीवी कैमरे में अकेला जाता दिखा उमंग

डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह ने बताया कि हॉस्टल में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए तो छात्र कमरे का ताला लगाकर अकेले जाता दिखा। पुलिस ने आसपास के भी कैमरे खंगाले हैं।

उसमें भी छात्र अकेला ही नजर आया है। फिलहाल छात्र की तलाश की जा रही है। परिजनों ने न तो किसी पर कोई आरोप लगाया है और न ही किसी रंजिश का जिक्र किया है।

संक्षिप्त खबरें

ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार की मौत

लखनऊ, संवाददाता। ओवरलोडेड ट्रैक्टर–ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। घटना पीजीआई थानाक्षेत्र की है। सुशांत गोल्फ सिटी के बरौना निवासी अरविंद कुमार (30) प्रिंटिंग प्रेस में काम करते थे। बुधवार रात साढ़े नौ बजे ड्यूटी खत्म कर बाइक से घर जा रहे थे। बरौली क्रॉसिंग के पास ओवरलोड ट्रैक्टर ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। अरविंद उछलकर दूर जा गिरे। आरोपी ट्रैक्टर छोड़कर भाग निकला। हेलमेट न पहने होने के कारण सिर में गंभीर चोट आ गई। पीजीआई पुलिस और अरविंद के पिता राम चरण ने उन्हें ट्रॉमा पहुंचाया, वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पत्नी पिंकी बेसुध हो गई। उनकी तीन वर्षीय बेटी है।

दीवार गिरने से तीन मजदूर मलबे में दबकर गंभीर घायल

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के नाका के राजेंद्रनगर में बृहस्पतिवार सुबह बेसमेंट की खुदाई के दौरान एक तरफ की दीवार ढह गई। हादसे में तीन मजदूर दब गए। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद अन्य मजदूरों ने तीनों को बाहर निकाला। पुलिस ने उन्हें ट्रामा सेंटर पहुंचाया। सीतापुर के देहात कोतवाली में गौरव अर्जुनपुर गांव में पंकज रहते हैं। उनके मुताबिक करीब छह दिन से वह, सरोज कुमार, उनकी पत्नी फूलमती, ससुर जयदयाल सहित आठ लोग राजेंद्र नगर में एक प्लॉट में बेसमेंट की खुदाई का काम कर रहे थे। उन्हें काम पर ठेकेदार संजय कुमार ने लगवाया था। बृहस्पतिवार दोपहर करीब 12 बजे खुदाई का काम चल रहा था तभी अचानक एक ओर की दीवार ढह गई। इससे फूलमती (25), सरोज (30) और जयदयाल (45) मलबे में दब गए। आननफानन साथियों ने उन्हें ट्रामा पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है।

किटी पार्टी कर बढ़ाया मेलजोल, फिर महिला ने ऐंठे 14 लाख

लखनऊ, संवाददाता। इंदिरानगर निवासी नेहा गाडरू ने महिला व उसके परिवार के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप है कि महिला ने खुद को आईएएस अफसर की पत्नी बताया। फिर किटी पार्टी कर मेलजोल बढ़ाया और 14 लाख रुपये ऐंठ लिए। आरोपियों पर अन्य महिलाओं से भी डेढ़ करोड़ रुपये ऐंठने का आरोप है। नेहा के मुताबिक दो साल पहले उनकी मुलाकात समारोह में बाल विहार कॉलोनी निवासी रश्मि सिंह, उनके पति अशोक सिंह, बच्चों गरिमा व गौरव से हुई थी। उसने एक किटी पार्टी ग्रुप भी बनाया, जिसमें वह और अन्य महिलाएं शामिल थीं। मेलजोल बढ़ाने पर रश्मि कभी बेटे के पायलट बनने की फीस तो कभी बेटी को एमबीबीएस कराने के लिए रकम मांगने लगी। नेहा ने 19 लाख रुपये दिए थे। भरोसा जीतने के लिए आरोपी ने पांच लाख रुपये लौटा दिए। शेष रकम देने से मना कर दिया। डराने के लिए कोर्ट का नोटिस भेजने लगे। इंस्पेक्टर सुनील कुमार सिंह के मुताबिक तफ्तीश की जा रही है।

कमरे में मिला युवक का नग्न शव

लखनऊ, संवाददाता। दुबग्गा इलाके में बृहस्पतिवार शाम युवक का शव निर्वस्त्र हालत में कमरे में पड़ा मिला। शरीर पर चोट के निशान भी थे। पुलिस का कहना है कि युवक ने आत्महत्या की है। भमरौली की न्यू कॉलोनी में रहने वाले रामजीवन (42) डिश लगाने का काम करते थे। उनके भाई रवि मिश्र के अनुसार रामजीवन की छह साल पहले सीतापुर के अटरिया निवासी शीलू से शादी हुई थी। रविवार को दंपती में किसी बात को लेकर मारपीट हुई थी। भाभी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझा बुझाकर शांत करा दिया था। शीलू नाराज होकर मायके चली गई थीं। बृहस्पतिवार को पड़ोसियों को रामजीवन के घर से बदबू आने का अहसास हुआ। खबर पाकर भाई व पुलिस भी पहुंच गई। दरवाजे में अंदर से ताला पड़ा था। सीढ़ी लगाकर लोग अंदर पहुंचे तो रामजीवन के कमरे का दरवाजा खुला था और नग्न शव जमीन पर पड़ा था।खरोंच के निशान थे। शव तीन से चार दिन पुराना हो चुका था। इंस्पेक्टर अभिनव कुमार वर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा।

नौकरी के बहाने बुलाकर छात्रा से दुष्कर्म किया

लखनऊ, संवाददाता। छात्रा को नौकरी के बहाने से बुलाकर युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। गर्भवती होने पर जल्द शादी का आश्वासन दिया और फिर मुकर गया। पीड़िता ने मोहनलालगंज थाने में केस दर्ज कराया है। मऊ जनपद निवासी छात्रा मोहनलालगंज इलाके में हॉस्टल में रहती हैं। वह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही थीं। आरोप है कि मऊ निवासी आरोपी प्रवीण यादव निजी आयुर्वेदिक कॉलेज से बीएएमएस की पढ़ाई कर रहा है। दोनों पूर्व परिचित हैं। प्रवीण ने पहले उसे प्यार के जाल में फंसाया और फिर शादी का वादा किया। छह जून को कॉल कर नौकरी के लिए उसने कमरे पर बुलाया और दुष्कर्म किया। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने उनका अश्लील वीडियो बना लिया और इसके बल पर शोषण करने लगा। गर्भवती होने पर आरोपी ने जल्द शादी करने का वादा किया, पर बाद में मुकर गया और लखनऊ छोड़कर चला गया। इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।